CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 09 अंक : 242 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, रविवार 27 अप्रैल, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

पड़ोसियों को तंग नहीं करना चाहते, लेकिन उपद्रव बर्दाश्त भी नहीं

उपद्रवियों को दंड देना राजा का कर्तव्यः भागवत

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत की शास्त्रार्थ परंपरा सत्य को सहमति से स्थापित करती है। हिंदू मैनिफेस्टो इसी उद्देश्य से प्रस्तावित है, जो व्यापक चर्चा और सहमति के लिए प्रमाणित पुस्तक है। यह विश्व को नया रास्ता देने का भारत का कर्तव्य है, क्योंकि 2000 वर्षों के आस्तिक, नास्तिक और जड़वादी प्रयोग असफल रहे। भौतिक सुख बढ़ा, लेकिन असमानता और पर्यावरण हानि भी बढ़ी। एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि भारत की प्राचीन दृष्टि पर आधारित जीवन व्यवस्था स्थापित होनी चाहिए। पुस्तक में आठ सूत्र पूर्ण हैं, लेकिन भाष्य काल और परिस्थिति के अनुसार बदलते हैं। पिछले 1500 वर्षों से नया शास्त्र नहीं आया,

जिसके कारण जाति व्यवस्था जैसे दोष समाज में आए। वेदों का सही भाष्य आज आवश्यक है। शास्त्रों में अस्पृश्यता या जाति का कोई स्थान नहीं, जैसा उडुपी के संत समाज ने भी कहा।

आततायियों को सबक सिखाना भी हमारा धर्म

उन्होंने जोर दिया कि अहिंसा हमारा स्वभाव है, लेकिन आततायियों को सबक सिखाना भी धर्म है। पड़ोसियों को तंग नहीं करते, लेकिन उपद्रव करने वालों को दंड देना राजा का कर्तव्य है। भ्रष्टाचारियों को छोड़ना उचित नहीं, क्योंकि धर्म में अर्थ और काम को मर्यादा में रखना जरूरी है। धर्म को केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं करना चाहिए; यह सत्य, करुणा और सुचिता है।

हिंदू समाज को अपने धर्म को समझने की जरूरत

हिंदू समाज को अपने धर्म को समझने की जरूरत है। हिंदू मैनिफेस्टो शास्त्रार्थ के माध्यम से शुद्ध परंपरा को सामने लाएगा और कालानुरूप स्वरूप स्थापित करेगा। यह पुस्तक विश्व कल्याण के लिए है, और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए।

सनातन धर्म को सही अर्थों में समझने की आवश्यकता

अपने संबोधन के दौरान मोहन भागवत ने सनातन धर्म को सही अर्थों में समझने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि धर्म तब तक धर्म नहीं है जब तक वह सत्य, शुचिता, करुणा और तपस्या के चार सिद्धांतों का पालन नहीं करता। उन्होंने कहा कि इससे परे जो कुछ भी है वह अधर्म है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में हमने धर्म को कर्मकांड और खान-पान की आदतों तक सीमित कर दिया है

मस्जिद पर पाक मुर्दाबाद के चिपकाएं पोस्टर, बालमुकुंदाचार्य के खिलाफ मामला दर्ज

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजधानी जयपुर के जोहरी बाजार में एक मस्जिद की दीवार पर पाकिस्तान मुर्दाबाद के पोस्टर चिपकाने से बवाल हो गया। इस मामले में रैली की अगुवाई कर रहे हवामहल विधायक बाल मुकुंदाचार्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में जयपुर में शुक्रवार शाम को बड़ी चौपड़ पर रैली निकाली जा रही थी। इस दौरान नारेबाजी भी हुई और प्रदर्शनकारियों ने जौहरी बाजार स्थित जामा मस्जिद के बाहर पाकिस्तान मुर्दाबाद के पोस्टर लगा दिए। इसके बाद यहां माहौल गरमा गया। विरोध में मुस्लिम पक्ष के लोग भी इकट्ठा हो गए। रात करीब 10 बजे मुस्लिम पक्ष के लोग इकट्ठा होने शुरू हुए और बड़ी चौपड़ पर नारेबाजी कर मस्जिद पर पोस्टर लगाने का विरोध करना शुरू कर दिया। वहीं पहलगाम आतंकी हमले का विरोध करने वाले लोग भी वहां जमा होने शुरू हो गए और देखते ही देखते तनाव की स्थिति पैदा हो गई। इधर प्रशासन ने भी स्थिति को भांपते हुए यहां भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। इधर कांग्रेस विधायक रफीक खान और अमीन कागजी भी मौके पर पहुंचे। अमीन कागजी ने बताया कि यह समाज का विरोध प्रदर्शन नहीं बल्कि सर्वसमाज का प्रदर्शन था। उन्होंने कहा कि हम आतंकवाद के खिलाफ हैं लेकिन जिस तरह से माहौल बनाकर उकसाया गया वह ठीक नहीं था। इसलिए बीजेपी विधायक बालमुकुंदाचार्य के खिलाफ एफ आईआर दर्ज करवाई है।

बौखलाहट में पाक नेता दे रहे अजीबोगरीब बयान

पाक का दोगलापन : शांति का राग और खून बहाने की गीदड़ भभकी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से लगातार लिए जा रहे एक्शन के बाद अब पाकिस्तान घबराया हुआ नजर आ रहा है।

पाकिस्तान के तमाम बड़े नेता जहां बौखलाहट में बिना सिर-पैर के बयान दे रहे थे, तो वहीं अब पाक पीएम ने शांति का रास्ता अपनाने की बात की है। एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के काकुल में पाक मिलिट्री अकादमी में पासिंग-आउट परेड को संबोधित करते हुए पाक पीएम शहबाज ने कहा कि पहलगाम में हुई हालिया घटना इस निरंतर दोषारोपण के खेल का एक और उदाहरण है, जिसे पूरी तरह से बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार देश के रूप में अपनी भूमिका को जारी रखते हुए, पाकिस्तान किसी भी तटस्थ, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच में भाग लेने के लिए तैयार है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से लिया गया सिंधु जल संधी को खत्म करने का ऐलान एक बड़ा फैसला है और इस फैसले को लेकर पाकिस्तान काफी ज्यादा बोखलाया हुआ है। पाक पीएम ने इस फैसले को लेकर कहा कि पाकिस्तान के पानी को कम करने या

मोड़ने की किसी भी कोशिश का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि हम किसी भी दुस्साहस का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और किस को भी इस बारे में गलती नहीं करनी चाहिए। यह देश 240 मिलियन लोगों का है और हम अपने बहादुर सशस्त्र बलों के पीछे खड़े हैं। शहबाज ने कहा कि यह संदेश जोरदार और साफ होना चाहिए। शांति हमारी प्राथमिकता है और हम अपनी अखंडता और सुरक्षा पर कभी समझौता नहीं करेंगे। पाक पीएम से पहले पाकिस्तान के नेता बिलावल भुट्टो ने विवादित बयान देते हुए कहा था कि सिंधु दरिया में अब या तो पानी बहेगा या फिर खून बहेगा। सिंधु दरिया हमारा है और हमारा ही रहेगा।

पहलगाम के गुनहगारों के घर जमींदोज, बम से उड़ाए

जयपुर टाइम्स

श्रीनगर(एजेंसी)। पहलगाम के गुनहगारों में शामिल लश्कर-ए-ताइबा के दो आतंकियों के घर जमींदोज हो गए हैं। सुरक्षाबलों ने आतंकी आसिफ शेख के त्राल स्थित घर और बिजबिहाड़ा स्थित आदिल ठोकर के घरों की वीरवार रात को तलाशी ली। इनमें बड़ी मात्रा में रखे गए विस्फोटक फटने से घर ध्वस्त हो गए। पहलगाम के बायसरन में 26 बेगुनाहों की जान लेने वाले हमलावरों में से तीन के सुरक्षा एजेंसियों ने स्केच जारी करने के बाद तस्वीरें भी जारी की हैं। सूत्रों के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने सुरक्षाबलों को जो बताता, उसके आधार पर स्केच बनाए गए थे। अधिकारियों के अनुसार, हमले में तीन से चार आतंकवादी शामिल थे। इनमें दो पाकिस्तानी और अन्य स्थानीय आतंकियों में आसिफ व आदिल भी शामिल हैं।

गलत राह पर चला गया आसिफ

आसिफ शेख ने गलत रास्ता चुना। इससे उसने अपनी और अपने परिवार की जिंदगी बर्बाद कर दी। आसिफ का घर त्राल के उसी इलाके में है, जहां आतंकी बुरहान

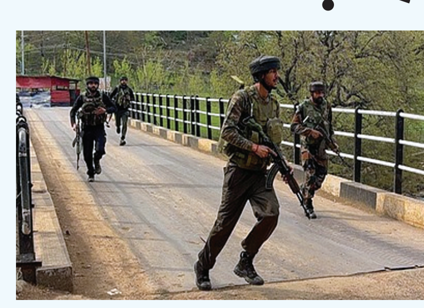

वानी रहता था। कुछ समय पहले एक मुठभेड़ में मारे गए आतंकी की डायरी में आसिफ की हथियार के साथ तस्वीर मिली थी। आसिफ ने 2017-18 में पाकिस्तान में ट्रेनिंग ली। कुछ साल तक अंडरग्राउंड रहने के बाद 18 अप्रैल, 2022 से सक्रिय हुआ और तब से लश्कर के फरमान पर वारदात को अंजाम देता आ रहा है।

आतंकी आदिल 2018 में वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान भाग गया था। वहां उसने आतंकी कैंप में ट्रेनिंग ली और पिछले साल ही कश्मीर लौटा था। वह भी लश्कर की नापाक मंसूबों को दक्षिण कश्मीर में अंजाम दे रहा था। उसे युवाओं को आतंकवाद में भर्ती के लिए भी जिम्मेदारी दी गई थी।

ट्रकों की भिड़ंत से लगी भीषण आग, 3 लोग जिंदा जल गए

जयपुर टाइम्स

हनुमानगढ़(निसं.)। हनुमानगढ़ में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया है। जिले के रावतसर के धन्नासर कैंची के पास बड़ा हुआ है। दो ट्रकों की टक्कर के बाद लगी आग में तीन लोग जिंदा जल गए। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रक में तलाशी के दौरान तीन शव मिले हैं, जिन्हें पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है. फिलहाल आग बुझाने के बाद पुलिस रास्ता खुलवाने में जुटी हुई है। रावतसर थानाधिकारी रामचंद्र कसवां ने बताया कि धन्नासर कैंची के पास दो ट्रक के आपस में टकराने के बाद आग लग गई। ट्रक में लगी भीषण आग में तीन लोगों की जलकर मौत हो गई। पहले रावतसर पुलिस को ट्रक में दो शव मिले थे। हालांकि, आग बुझाने के बाद ट्रक में एक और शव मिला है। पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। जानकारी के मुताबिक, नागौर और हनुमानगढ़ के मृतक बताए जा रहे हैं। आग बुझाने के बाद पुलिस रास्ता खुलवाने में जुटी हुई है। हादसे की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयास सफल

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान देशभर में अव्वल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयास रंग लाए हैं। 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक आयोजित राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस बार राजस्थान के मुकाबले छत्तीसगढ़ 9 लाख एंट्रीज से पीछे छूट गया है। पहले स्थान पर रहे राजस्थान के 33 जिलों की ओर से इस बार 11860962 गतिविधियों की एंट्रीज की गई, जबकि दूसरे स्थान पर रहे छत्तीसगढ़ के 33 जिलों की ओर से 10951961 गतिविधियों की एंट्रीज की गई है। वहीं तीसरे स्थान पर रहे महाराष्ट्र के 36 जिलों की ओर से 6712236 गतिविधियों

की एंट्रीज की गई है। डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने निर्देश दिए थे कि 8 अप्रैल 2025 से 22 अप्रैल 2025 तक आयोजित राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर अपने पिछले प्रदर्शन चौथी रैंक में सुधार करते हुए इस बार पहला स्थान प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें। महिला व बाल विकास विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से उक्त निर्देशों की पालना में की गई कड़ी मेहनत रंग लाई है। उपमुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों को कड़ी मेहनत से हासिल की गई इस उपलब्धि पर बधाई दी है। राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा भारत सरकार की ओर से चलाए जा रहे 'पोषण अभियान' का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसका उद्देश्य देश में 'जन आंदोलन के माध्यम से पोषण के प्रति जागरूकता फैलाना'' है। राजस्थान के 33 जिलों की ओर से 25 अप्रैल 2025 तक की गतिविधियों के अनुसार चूरू - 1536980 एंट्रीज कर प्रथम, श्रीगंगानगर - 1673684 एंट्रीज कर द्वितीय हनुमानगढ़ - 921718 एंट्रीज कर तृतीय टोंक - 909097 एंट्रीज कर चतुर्थ और बीकानेर - 890367 एंट्रीज कर पांचवा स्थान प्राप्त किया। इन जिलों ने लक्ष्य से कई गुना अधिक प्रदर्शन किया। पूरे प्रदेश में ''जन भागीदारी और विभागीय समन्वय'' का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

ईरान के बंदर अब्बास में पोर्ट पर हुआ भीषण धमाका, अब तक चार लोगों की मौत, 500 से ज्यादा घायल

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के बंदर अब्बास शहर में शनिवार को भीषण विस्फोट के बाद आग लग गई। ये जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी ने दी है। जानकारी के मुताबिक, अभी तक इस धमाके में चार लोगों की मौत और 500 से ज्या लोगों के घायल होने की सूचना है। जिसके बाद सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह विस्फोट बंदर अब्बास शहर के रजई बंदरगाह पर हुआ है। वहीं इस घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया वायरल हो रहे हैं, जिसमें धमाके के बाद काले धुएं का विशाल गुबार देखा जा सकता है। जबकि इस मामले में अधिकारियों ने विस्फोट का तत्काल कोई कारण नहीं बताया।

मुंह का कैंसर बन रहा है नासूर

चिंताजनक : ओरल कैंसर के सर्वाधिक मामले भारत में

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के लिए चिंताजनक ख़बर है। कैंसर का सबसे अधिक खतरा भारत में है और आंकड़ों के मुताबिक ओरल कैंसर के सबसे अधिक मामलो वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है। कैंसर वैश्विक स्तर पर गंभीर स्वास्थ्य जोखिम बना हुआ है, ये मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण भी है। भारतीय आबादी में भी कैंसर के मामले साल-दर-साल बढ़ते जा रहे हैं। आधुनिक चिकित्सा और मेडिकल क्षेत्र में नवाचार के चलते एक दशक पहले की तुलना में अब कैंसर का इलाज आसान जरूर हो गया है, पर अब भी कई चुनौतियां हैं जो विशेषज्ञों के लिए लगातार चिंता का कारण बनी हुई हैं।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि भारत में जिन कैंसर के मामले सबसे ज्यादा रिपोर्ट किए

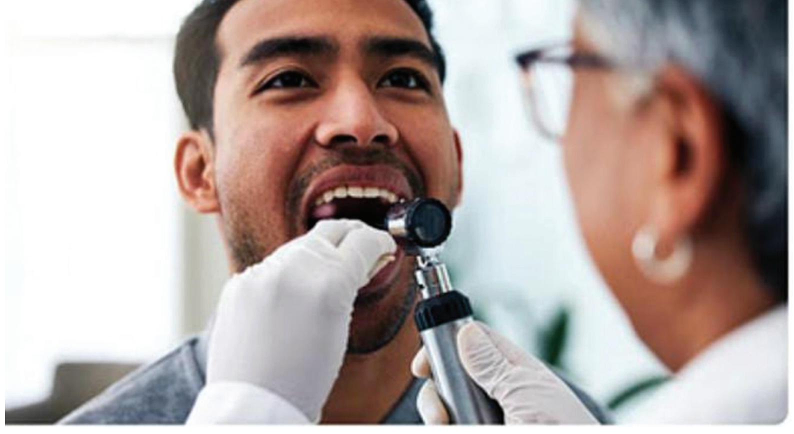

जाते रहे हैं उनमें फेफड़े, पेट, स्तन और मुंह के कैंसर प्रमुख हैं। मुंह का कैंसर (ओरल कैंसर) फिलहाल भारत के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इतना ही नहीं, भारत दुनियाभर में ओरल कैंसर के सबसे ज्यादा मामलों वाला देश है। हर साल यहां अनुमानित 1.43 लाख नए मामले सामने आते हैं। तंबाकू-धूम्रपान को इसके लिए प्रमुख कारण माना जाता रहा है, चिंताजनक बात ये भी है कि ओरल कैंसर सिर्फ पुरुषों में ही नहीं महिलाओं में भी बढ़ता हुआ देखा जा रहा है।

इलाज के बाद भी पांच साल जी पाना कठिन

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि मुंह का कैंसर एक गंभीर खतरा है, इससे मृत्युदर भी अधिक है। चिंताजनक बात ये भी है कि इलाज के बाद भी 63% लोग पांच साल तक नहीं जी पाते हैं। आईसीएमआर ने 10 राज्यों में 14 हजार से ज्यादा मरीजों पर अध्ययन किया, इसमें पाया गया कि ग्रामीण इलाकों में इस प्रकार के कैंसर के जोखिम सबसे ज्यादा है। एक मेडिकल जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन की रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने साफ तौर पर कहा है कि प्रारंभिक पहचान और समय पर इलाज न मिलने के कारण कैंसर का खतरा काफी बढ़ जाता है। ज्यादातर लोगों में कैंसर का पता ही तब चल पाता है जब ये चौथे स्टेज तक पहुंच चुका होता है। यहां से रोगी का इलाज करना और जान बचाना काफी मुश्किल हो जाता है।

तंबाकू 50% से अधिक मामलों के लिए जिम्मेदार

जर्नल ऑफ कैंसर पॉलिसी में प्रकाशित एक शोध पत्र में बताया गया है, देश में ओरल कैंसर के 50% से अधिक मामलों के लिए तंबाकू-धूम्रपान की आदत प्रमुख कारण है। भारतीय उपमहाद्वीप में ओरल कैंसर एक बड़ी समस्या है, जहां यह देश में शीर्ष तीन प्रकार के कैंसर में शुमार है। भारत में ओरल कैंसर की आयु-समायोजित दर अधिक है, यानी प्रति एक लाख जनसंख्या पर 20 लोग और देश में सभी कैंसर का 30% से अधिक हिस्सा है।

केंद्रीय वन मंत्री ने ली अलवर शहर के सुव्यवस्थित विकास एवं स्वच्छता के संबंध में समीक्षा बैठक

सिक्किम के राज्यपाल की प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

शहर के सुव्यवस्थित विकास व स्वच्छता के लिए बनेगी कार्य योजना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में अलवर शहर के सुव्यवस्थित विकास एवं शहर को स्वच्छ शहरों में अग्रणी बनाने के संदर्भ में समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा मौजूद रहे।

स्वच्छता हेतु बनाए एकीकृत कार्य योजना

केंद्रीय मंत्री यादव ने बैठक में कहा कि देश के स्वच्छ शहरों की तर्ज पर अलवर शहर का भी स्वच्छता में एक मॉडल बने, इसके लिए समन्वित प्रयास किए जाएं। उन्होंने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा कर निर्देश दिये कि शहर की परिसीमा के नगर निगम, यूआईटी, रीको व ग्रामीण क्षेत्रों की सफाई का एकीकृत मॉडल विकसित करने के लिए कार्य योजना बनाएं। उन्होंने निर्देश दिये कि नगर निगम साफ-सफाई व्यवस्था की 300 दिवसीय विस्तृत कार्य योजना बनाए, जिसमें सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सिवरेज वाटर ट्रीटमेंट व इसके उपयोग तथा लीगेसी बेस वेस्ट का निस्तारण, कचरा संग्रहण व उसके ट्रांसपोर्टेशन के घटकों को शामिल करें तथा इसमें जन जागरूकता को भी शामिल करें।

शहर में स्वच्छता संस्कृति विकसित करने हेतु जन जागरूकता जरूरी

उन्होंने सफाई व्यवस्था में संलग्न कार्मिकों को स्कील ट्रेनिंग देने के साथ डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण कार्य पर विशेष फोकस किया। यादव ने अलवर शहर में स्वच्छता को संस्कार में लाने व स्वच्छता संस्कृति को विकसित करने के लिए व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने शोधित जल के औद्योगिक उपयोग के लिए औद्योगिक इकाइयों से समन्वय कर कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने अग्यारा स्थित नगर निगम के म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट प्लांट के अपग्रेडेशन के प्रस्ताव तैयार करने तथा इसको पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करने की कार्य योजना बनाने के साथ इस प्लांट का थर्ड पार्टी के द्वारा निरीक्षण कराने के निर्देश दिये।

विकास कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग कर धरातल पर उतारे

उन्होंने शहर के विकास के लिए केंद्र व राज्य सरकार की बजट घोषणाओं एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वीकृत विकास कार्यों का एक एकीकृत फ्लो चार्ट बनाने के निर्देश दिये, जिसमें विकास कार्य का विवरण, कार्य की वर्तमान स्थिति, कार्य पूर्ण होने की स्थिति आदि की बिन्दुवार जानकारी रहे। इस फ्लो चार्ट की पाक्षिक तौर पर मॉनिटरिंग की जावे। इनसे संबंधित केंद्र व राज्य सरकार स्तर के विषयों से अवगत कराया जावे ताकि उनको समयबद्ध रूप से निस्तारित कराकर विकास कार्यों को गति प्रदान की जा सके। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने केंद्रीय मंत्री यादव को विश्वास दिलाया कि बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों की पालना संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर समयबद्ध रूप से कराई जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक संजीव नैन, एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, यूआईटी सचिव धीगदे स्नेहल नाना, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सिक्किम के राज्यपाल की प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा के साथ प्रताप ऑडिटोरियम में पहुंचकर 27 अप्रैल को सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर की अलवर में प्रस्तावित यात्रा के तहत आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों का बारिकी से जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। केंद्रीय मंत्री यादव ने प्रताप ऑडिटोरियम में पहुंच कर यूआईटी व पुलिस के अधिकारियों को कार्यक्रम की तैयारियों के संदर्भ में चर्चा कर निर्देशित किया कि कार्यक्रम प्रवेश, बैठक, मंच, ई लाइब्रेरी के वर्चुअल उद्घाटन की व्यवस्था आदि के साथ रूट व लाइब्रेरी की तैयारियों को अंतिम रूप देना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं।

रीयल स्टैट एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी गठन के लिए बैठक का किया आयोजन

जयपुर टाइम्स

बाँसवाड़ा(निसं.)। रीयल स्टैट एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी गठन के लिए बेठक का आयोजन किया गया।कार्यकारिणी की बैठक में पूर्व अध्यक्ष मनोज माथुर एवं पूर्व सचिव अनिल मेठानी द्वारा चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल एवं मीनू मेहता से चुनाव प्रक्रिया को शुरू करने का आग्रह किया गया। इसके पश्चात प्रस्तावक अनिल मेठानी एवं राधेलाल व्यास के द्वारा अध्यक्ष पद हेतु हरीश चन्द्र कलाल का एवं प्रस्तावक ललित कलाल द्वारा सचिव पद हेतु गजेंद्र सिंह यादव के नाम का एवं हेमंत सेठ के द्वारा कोषाध्यक्ष पद हेतु निशांत मेहता के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसका बांसवाड़ा रियल स्टेट एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने पुरजोर समर्थन करते हुए सहमति प्रदान की, इसके पश्चात नवीन अध्यक्ष हरीश कलाल की अध्यक्षता में एवं संरक्षक मनोज अग्रवाल मनोज माथुर आदि वरिष्ठ सदस्यों से सलाह मशवरा करते हुए।
वरिष्ठ उपाध्यक्ष- अनिल मेठानी,
उपाध्यक्ष- संदीप शाह,
उपाध्यक्ष- अनिल मेहता,
सह कोषाध्यक्ष- सतीश पांचाल,
सह सचिव- महिपाल मेहता,
मार्गदर्शक मंडल - विवेक भम्बानी एव कृष्ण पाल सिंह, सिसोदिया का मनोनयन किया गया।
कार्यकारिणी गठन के बाद उत्तम जैन, शिशुपाल जैन, मनोज दोसी, प्रकाश त्रिवेदी नागेंद्र यादव, अनिल मेहता सभी सदस्यों ने बांसवाड़ा के विकास के अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किया जिस पर मंथन करते हुए हुए नवीन अध्यक्ष हरीश कलाल ने रियल स्टेट की आगामी भावी योजनाओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। तत्पश्चात नवीन सचिव गजेंद्र यादव ने एसोसिएशन के सदस्यों को आ रही समस्याओं के समाधान हेतु पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया और कार्यक्रम को समापन की और ले जाते हुए सभी सदस्यों ने विगत दिनों पुलवामा मैं मारे गए सभी पर्यटकों का मौन रखते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का समापन किया।

पेयजल व्यवस्था सुचारू करने की मांग

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर में पेयजल व्यवस्था के लिए नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच ने जल मंत्री कन्हैयालाल चौधरी से मुलाकात कर सुजानगढ़ में पानी सप्लाई कि व्यवस्था को सुचारू करने की मांग की है। जिस पर मंत्री ने चूरु एस.ई. को फोन कर इस व्यवस्था को सही करने के लिए कहा। दिन पहले ही जय श्री दाधीच ने सुजानगढ़ के समस्त जलदाय विभाग के अधिकारियों के साथ भी इस मसले को लेकर वार्ता की थी।

ग्राम पंचायत गुणसार के रात्रि चौपाल में जिला कलक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

जिला कलेक्टर ने गुणसार में ही किया रात्रि विश्राम

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)।। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार पंचायत समिति कोटकासिम की ग्राम पंचायत गुणसार, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुणसार में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्याएं जिला कलेक्टर के समक्ष रखी गई तथा समस्याओं का मौके पर निस्तारण हेतु संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया। रात्रि चौपाल के दौरान कुल 18 परिवाद दर्ज किए गए। इस दौरान जीवन मिशन का कार्य करवाने बाबत, पट्टे, दिव्यांगजन प्रमाण पत्र बनवाने, विवादित भूमि, रास्ते पर अवैध अतिक्रमण हटाने बाबत, सड़क बनवाने, पानी, बिजली के संबंध में सहित कुल 18 प्रकरण रात्रि चौपाल में जिला कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए गए जिसमें प्रकरणों के समाधान हेतु मौके पर अधिकारीयों को निर्देश प्रदान किए। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने ग्राम वासियों को गांव का पानी गांव में तथा खेत का पानी खेत में रखने एंव जल संरक्षण के महत्व को बताते हुए ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने आने वाली पीढ़ी को पानी की विकराल समस्या से बचने के लिए वर्तमान में सभी ग्रामीणों से घर-घर जल संरक्षण करने साथ ही बरसात के पानी को संरक्षित करने की अपील की। जिले में मुख्य पानी स्त्रोत भूमिगत जल है जो कि निश्चित है अतः इसका उपयोग हमें बिना व्यर्थ किए करना है ताकि आगे की पीढ़ी को पानी की समस्या से जूझना ना पड़े। उन्होंने सरकार द्वारा चलाए जा रही पीएम सूर्य घर योजना तथा जल शक्ति अभियान के बारे में ग्रामीणों को बात कर जागरूक किया तथा खेतों में डीएपी की जगह यूरिया और एसएसपी के मिश्रण का उपयोग करने के फायदे गिनाये। रात्रि चौपाल के पश्चात जिला कलेक्टर ने रात्रि विश्राम गुणसार के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में किया। जहाँ उन्होंने ग्रामीणों के साथ भोजन कर उनकी समस्याओं एवं उनके द्वारा किए जा रहे विकास कार्य के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि विभागों की योजनाओं के बारे में आमजन को अधिकतम जागरूक करें ताकि सरकार की मंशानुरूप अंतिम छोर तक व्यक्ति को योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। इस दिशा में सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी अपने विभाग की योजनाओं और सेवाओं का समुचित प्रचार-प्रसार करें। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे वृद्धजन पेंशन योजना, अटल पेंशन योजना, जीवन ज्योति बीमा, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री पालनहार योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सशक्त खैरथल तिजारा, लाडो योजना, वर्मी कंपोस्ट, मिट्टी जांच, किसान उपकरण अनुदान योजना, जल जीवन मिशन, पीएम सूर्यघर योजना, पीएम विश्वकर्म योजना किया के बारे में विस्तार से आवेदन की प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने कृषि विभाग की विभिन्न योजनाएं जैसे तारबंदी योजना, फार्म पॉन्ड योजना, प्याज भंडारण सहित अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट, पुलिस उपाधिक्षक राजेंद्र निर्वाण, कोटकासिम उपखण्ड अधिकारी रेखा यादव, कोटकासिम तहसीलदार धर्मेंद्र मीणा, रूठरू अनुपम नैथानी, जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता धर्मेंद्र यादव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अरविंद गेट, सरपंच दयाराम यादव, कृष्ण यादव, दीनदयाल यादव, निहाल प्रिंसिपल, रीना अग्रवाल पीईईओ गुणसार व सभी विभागों के जिलाधिकारी मौजूद रहे।

श्याम प्रेमियों ने कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत के बाद आक्रोश देखा जा रहा है। शनिवार की शाम को अलवर के सभी श्याम प्रेमियों ने कैंडल मार्च निकालकर हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। सभी श्याम प्रेमियों के द्वारा नंगली सर्किल से कैंडल मार्च की शुरूआत की गई। कैंडल मार्च नंगली सर्किल से होता हुआ कंपनी बाग स्थित शहीद स्मारक तक निकाला गया। कैंडल मार्च में सभी भक्तों ने हाथ में मोमबत्ती लेकर आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और हमले की निंदा की है। वही अलवर शहर के सभी मंडलों से जुड़े श्याम प्रेमियों ने कड़े शब्दों में निदा करते हुए भारत सरकार से मांग की कि इस कुकृत्य को अंजाम देने वाले और इसके पीछे जिसका भी हाथ है, उन सभी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें ताकि ऐसा कुकृत्य करने से पहले सौ बार सोचे। यह घटना मानवता के खिलाफ है। इस घटना ने देश-समाज सबके दिलों को

गहराई तक आहत किया है. वही जितेंद्र सेतिया ने बताया कि यह कैंडल मार्च शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया, जिसमें सभी भक्तों ने "शहीदों को नमन" और "भारत माता की जय" जैसे नारे लगाए। मार्च में शामिल लोगों ने कहा, "यह हमला न सिर्फ जम्मू-कश्मीर, बल्कि पूरे देश की आत्मा पर हमला है। हम इसके खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे।"यह मार्च उन पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताने का एक प्रयास है, जो इस निर्मम हमले का शिकार हुए। लोगों ने भारत सरकार और सुरक्षा बलों पर भरोसा जताते हुए कहा कि पूरा देश आतंकवाद के खात्मे के लिए एकजुट है। इस अवसर पर अलवर शहर के सभी मंडलों के सदस्य उपस्थित रहे।

स्कूल के विद्यार्थियों ने किया श्रमदान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अलवर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने कोऑर्डिनेटर खुशी राम यादव एवं शिक्षकों कामिनी चुग, तरुशी गुलाटी और अंजलि मल्होत्रा के साथ मिलकर हेल्प ऑल फाउंडेशन में श्रमदान किया। यह सेवा कार्य विद्यार्थियों को स्कूल की ओर से कम्युनिटी सर्विस प्रोजेक्ट के तहत सौंपा गया था, जिसका उद्देश्य युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना का विकास करना था। सेवा कार्य के दौरान विद्यार्थियों ने पूर्ण समर्पण और उत्साह के साथ विभिन्न कार्यों में भाग लिया। उन्होंने भोजन वितरण कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई पानी भरना, पट्टीयाँ बिछाना, जरूरतमंदों को व्यवस्थित ढंग से भोजन वितरित करना जैसे कार्यों को पूरी लगन और अनुशासन के साथ संपन्न किया। इस दौरान हेल्प ऑल फाउंडेशन के सदस्य चंद्र प्रकाश, विजय यादव, मुकेश कुमार और संजय टांक भी उपस्थित रहे। इन सदस्यों ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया। इनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से विद्यार्थियों में सेवा भाव और अधिक

गहरा हुआ। कोऑर्डिनेटर खुशी राम यादव एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों का हर कदम पर मार्गदर्शन करते हुए यह सिखाया कि सेवा कार्य केवल दायित्व नहीं, बल्कि एक सौभाग्य है। उनका व्यवहार, अनुशासन और समर्पण विद्यार्थियों के लिए एक जीवंत उदाहरण बना। हेल्प ऑल फाउंडेशन ने विद्यार्थियों, शिक्षकों, कोऑर्डिनेटर एवं अपने समर्पित सदस्यों के इस संयुक्त प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की। संस्था ने कहा कि आज के युवा अगर इसी प्रकार समाज के प्रति संवेदनशील बनें तो आने वाला कल और भी उज्जवल होगा। भविष्य में भी इस प्रकार की सहभागिता की आशा व्यक्त करते हुए संस्था ने सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

जिला कांग्रेस की बैठक में की संविधान बचाओ रैली की तैयारियों पर चर्चा

पूर्व केन्द्रीय मंत्री सिंह व नेता प्रतिपक्ष जूली ने लगाए भाजपा सरकार पर आरोप

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक शनिवार को हनुमान सर्किल स्थित होटल अनंता में आयोजित की गई। जिसमें संविधान बचाओ रैली की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। जिला प्रवक्ता रिपुदमन गुप्ता ने बताया कि बैठक में 28 अप्रैल को जयपुर में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की आयोजित होने वाली संविधान बचाओ रैली की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री

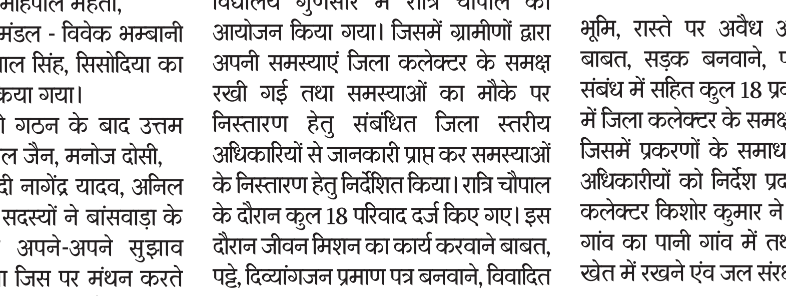

जितेंद्र सिंह व विशिष्ट अतिथि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली तथा अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की सरकार विपक्ष को कुचलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान बचाने के लिए केंद्र सरकार के विरुद्ध पूरे देश में कांग्रेस पार्टी की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ घर-घर जाकर कांग्रेस आम जन को जागरूक करेगी। मोदी सरकार द्वेष की भावना से प्रेरित होकर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र रच रही है। देश के लोग कांग्रेस पार्टी की तरफ देख रहे हैं कांग्रेस पार्टी ने देश को आजादी दिलाई, संविधान बनाया, हम सब की उस बलिदान की रक्षा करने की हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का सफाया करने का दम भरने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार बातें तो बड़ी-बड़ी करती है लेकिन इनके राज में आतंकवादी आकर हमारे देश में नागरिकों की नृशंस हत्या कर आसानी से निकल जाते हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों की नाक के नीचे मौत का यह तांडव असहनीय है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री आतंकवादियों के हमले के बाद बिहार चुनाव में व्यस्त हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह को देश से माफी मांगनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि कृष्ण का उपदेश देने वाली भाजपा खुद शकुनी जैसे चाले चलती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के द्वारा संविधान बचाओ अभियान के तहत पूरे देश भर में रैलियां आयोजित की जा रही है। सरकारी एजेंसी का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास भारतीय जनता पार्टी द्वारा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी मुद्दों में आग लगाते हैं और आरएसएस के लोग उसमें घी डालने का काम करते हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा की पूरे देश में भाजपा के विरुद्ध निकाली जा रही रैलियों का उद्देश्य सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय का संदेश देना है। भाजपा द्वारा मनमाने तरीके से कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्रतिशोध के रूप में की गई कार्यवाही को लेकर 28 अपैल को जयपुर के रामलीला मैदान में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे की संविधान बचाओ रैली में कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। इससे पूर्व पहलगाम में आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मिटिंग में मुख्य रूप से पीसीसी उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी रमेश खंडेलवाल, पीसीसी महासचिव एवं अलवर संगठन प्रभारी फूल सिंह ओला, पूर्व मंत्री शकुन्तला रावत, विधायक ललित यादव, दीपचंद खैरिया, कान्ति मीणा, मांगेलाल मीना, पूर्व विधायक कृष्ण मुरारी गंगावत, सफिया जुबेर, संदीप यादव, इमरान खान, संजय यादव, पीसीसी आब्जर्वर देव कसाना, रोहिताश चौधरी, अनिल जैन, रामबहादुर सिंह तंवर, बलराम यादव, गफूर खान, बृजेंद्र चौहान, राजेन्द्र पॉल शर्मा, रिपू दमन गुप्ता, श्वेता सैनी, डॉ. आर सी यादव, गिरीश डाटा, हिरेन्द्र शर्मा, जीत कौर सांगवान, जे डी आर्यन,जफरु खान, नरेंद्र मीणा, डॉ चंद्रभान गुर्जर, प्रकाश गंगावत, पुष्पेन्द्र धावाई, दीपेंद्र सैनी, जमशेद खान, पंकज शर्मा, कृष्ण कुमार खंडेलवाल, प्रभु दयाल, राजेंद्र प्रसाद शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे।

अलवर में पूर्व विधायक के बयान के विरोध में निकाली गई पैदल रैली, पुलिस ने रास्ते में रोका और कई गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

अलवर (निसं.)में पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा के विवादित बयान के विरोध में शनिवार को दलित समाज के लोगों ने पैदल रैली निकाली। रैली अंबेडकर सर्किल से शुरू होकर शालीमार स्थित 'अपना घर' तक जानी थी, लेकिन पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को टेल्को चौराहे पर रोक लिया। इस दौरान कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे शालीमार स्थित मंदिर जाने के लिए निकले थे, लेकिन पुलिस ने जबरन उन्हें रास्ते में रोककर गिरफ्तार कर लिया। प्रदर्शन में शामिल बिहार से आए राजन सिंह ने कहा कि हम शांतिपूर्वक मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने बेवजह रास्ता रोक दिया। यह सरकार की दलितों के प्रति मानसिकता को दर्शाता है। वहीं, अलवर के सतीश कुमार ने कहा कि ज्ञानदेव आहूजा के बयान ने पूरे दलित समाज को आहत किया है। उनके खिलाफ आमजन में जबरदस्त आक्रोश है। दरअसल, रामनवमी के दिन अलवर के शालीमार स्थित राम मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के अगले दिन पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने मंदिर में गंगाजल छिड़कते हुए एक विवादित बयान दिया था। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के मंदिर में आने को लेकर कहा था कि उनके आने से मंदिर अपवित्र हो गया। इस बयान के बाद आहूजा के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। पुलिस का कहना है कि उन्हें सूचना मिली थी कि प्रदर्शनकारी पूर्व विधायक के घर पहुंच सकते हैं, जिससे शांति भंग होने की आशंका थी। इसी वजह से एहतियातन कार्रवाई करते हुए उन्हें रास्ते में रोका गया और कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया। फिलहाल हालात नियंत्रण में हैं और पूरे इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

आत्मरक्षा शिविर का सफल समापन

जयपुर टाइम्स

लायंस क्लब जयपुर(कासं.) आदर्श नगर ने स्प्रिंगडेल्स स्कूल कालवाड़ रोड मे छात्राओं हेतु पांच दिवसीय आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया जिसका उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाना था। शिविर में निर्भय एस्कॉर्ट के प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। क्लब की अध्यक्षा ऋचा खेमका एवं स्कूल की प्रिंसिपल पूजा पारीक ने समापन कार्यक्रम में शिरकत की। ऋचा खेमका ने छात्राओं को आत्मरक्षा कौशल सीखने हेतु प्रोत्साहित किया एवं सभी प्रशिक्षकों को क्लब की ओर से सम्मानित किया। छात्राओं को क्लब की तरफ से ताजा पेय वितरित किया गया। क्लब की सदस्य अंजू प्रकाश जैन ने छात्राओं का मनोबल बढ़ाया एवं बच्चों को चॉकलेट वितरित की। प्रिंसिपल पूजा पारीक ने सभी प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों को इस सफल आयोजन हेतु बधाई दी एवं लायंस क्लब के सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

तीन वारंटी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। पुलिस की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत राजलदेसर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। राजलदेसर थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि शनिवार को थाना स्तर पर विभिन्न टीमो का गठन कर वांछित अपराधियों के ठिकानो पर दबिश दी गई और गिरफ्तारी वारण्ट की पालना में 21 वर्षीय पूर्णाराम मेघवाल, 60 वर्षीय उदाराम जाट व 42 वर्षीय हजारीराम मेघवाल को गिरफ्तार किया गया है। उक्त तीनो केखिलाफ वर्ष 2021 में अलग अलग प्रकरणों में अवैध शराब के मामले दर्ज कर चालान न्यायालय में किया गया था। न्यायालय की ओर से जमानत जब्त होने पर तीनों वारंटियों को उनके घर से दबिश देकर गिरफ़्तार किया गया है, जिन्हें अब कोर्ट में पेश किया जाएगा।

भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव 30 अप्रैल को

कोटपूतली(निसं.) कस्बे के भगवान श्री परशुराम मंदिर परिसर में शनिवार को तहसील ब्राह्मण सभा, नगर ब्राह्मण समाज व भगवान परशुराम मंदिर प्रबंध कमेटी कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें आगामी 30 अप्रैल को भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाये जाने का निर्णय लिया गया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा ने बताया कि 30 अप्रैल को प्रात 07 बजे भगवान का जलाभिषेक व पूजा आरती कर कोटपूतली नगर के लिये शोभा यात्रा निकाली जायेगी।

जिला पुलिस की एरिया डोमिनेशन की कार्यवाही

एसपी राजन दुष्यंत के निर्देश पर पुलिस की 36 टीमों ने एक साथ 125 ठिकानों पर दी दबिश

विभिन्न अपराधों में वांछित 55 अपराधियों को किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु एरिया डोमिनेशन अभियान निरन्तर जारी है। इसी क्रम में एसपी राजन दुष्यंत के निर्देश पर कोटपूतली-बहरोड़ जिले में संचालित विभिन्न गैंग, हिस्ट्रीशीटर व आदतन अपराधी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस, आबकारी आदि अधिनियम में वांछित अपराधी, डकैती व रंगदारी के मामलों के स्थाई वारंटी एवं उद्घोषित व ईनामी अपराधी, सोशियल मीडिया पर हथियारों की फोटो को वायरल कर भय फैलाने वालों एवं गैंगस्टरों को फॉलो व लाईक करने वाले एवं आमजन में डर फैलाने वाले अपराधियों के विरूद्ध विशेष प्रभावी कार्यवाही की गई। इसी के तहत शनिवार अल सुबह एसपी दुष्यंत के निर्देश पर कोटपूतली-बहरोड़ जिले में आदतन व वांछित अपराधियों के मकानों पर पुलिस की 36 टीमों द्वारा 125 ठिकानों पर एक साथ दबिश देते हुये 55 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की कार्यवाही से अपराधियों में हड़कम्प मच गया। बड़ी संख्या में अपराधी ईलाका छोडकर फरार एवं भूमिगत हो गये। पुलिस द्वारा आदतन व वांछित अपराधियों के मकानों पर दबिश के दौरान अवांछित वस्तुओं की गहनता से जाँच की गई। इस दौरान एएसपी कोटपूतली वैभव शर्मा, एएसपी नीमराणा शालनी राज के निर्देश पर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में उप पुलिस अधीक्षक व एसएचओ की विशेष पुलिस टीमों ने कार्यवाही की। एसपी दुष्यंत ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा समय-समय पर अपराधियों की धरपकड़ हेतु अभियान जारी रहेगा, निरन्तर दबिश से अपराधियों के हौंसले पश्त है, आगे भी राजस्थान पुलिस के ध्येय वाक्य " आमजन में विश्वास, अपराधियों में डर " को चरितार्थ करने के लिये उक्त अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

रीको की प्रत्यक्ष भूखंड आवंटन योजना को निवेशकों का शानदार समर्थन, 650 करोड़ रुपये से अधिक की भूमि बिकी

15 मई से शुरू होगा द्वितीय चरण के आवेदन का दौर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) द्वारा चलाई जा रही प्रत्यक्ष भूखंड आवंटन योजना को निवेशकों से जबरदस्त उत्साह प्राप्त हो रहा है। अब तक रीको ने विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में 650 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की औद्योगिक भूमि का सफल आवंटन कर लिया है। 7 अप्रैल 2025 से शुरू हुई ई-नीलामी के तहत 197 भूखंडों के लिए 493 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इससे लगभग 300 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित होने की संभावना है। अब तक 182 भूखंडों का आवंटन कर लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024' के दौरान हुए एमओयू के बाद भूमि आवंटन की प्रक्रिया को तीव्र गति मिली है। रीको की प्रत्यक्ष भूखंड आवंटन नीति–2025 के तहत 350 करोड़ रुपये के भूखंडों का आवंटन किया गया है, जिनमें से 98 भूखंडों के ऑफर लेटर जारी कर दिए गए हैं। शेष आवेदनों पर कार्यवाही जारी है। निवेशकों के उत्साह को देखते हुए रीको अब वाणिज्यिक और संस्थागत उपयोग के लिए भी भूखंड आवंटित करेगा। होटल, हॉस्पिटल, शिक्षण संस्थान एवं रिटेल दुकानों के लिए लगभग 500 भूखंड चिह्नित किए गए हैं, जिनकी ई-नीलामी प्रक्रिया शीघ्र शुरू होगी। राज्य सरकार ने योजना के द्वितीय चरण में भी आवेदन आमंत्रित करने का निर्णय लिया है। 15 मई 2025 से ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होंगे। वे निवेशक जिन्होंने राइजिंग राजस्थान समिट के तहत एमओयू किए हैं या 30 अप्रैल 2025 तक एमओयू करेंगे, वे आवेदन के पात्र होंगे। विस्तृत जानकारी एवं दिशा-निर्देश रीको की https:// riico. rajasthan.gov.in/ पर उपलब्ध हैं। यह पहल राजस्थान को औद्योगिक, वाणिज्यिक और संस्थागत निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

जयपुर में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में झगड़ा, 8 घायल

फागी थाना क्षेत्र के हथेली गांव में हुआ विवाद, चार की हालत गंभीर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। फागी थाना क्षेत्र के हथेली गांव में शनिवार दोपहर जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी झगड़े में बदल गई। देखते ही देखते दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे। झगड़े में एक पक्ष के 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया, जहां से चार घायलों को गंभीर हालत में जयपुर रेफर कर दिया गया। सीओ फागी, रामधन जाट ने बताया कि हथेली गांव में लक्ष्मण सिंह और जगदीश सिंह के बीच काफी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। शनिवार सुबह दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी, लेकिन पुलिस के समझाने के बाद मामला शांत हो गया था। हालांकि दोपहर करीब 12:30 बजे दोनों पक्षों ने बातचीत के दौरान फिर से बहस शुरू कर दी, जो धीरे-धीरे हिंसक झगड़े में बदल गई। झगड़े में दोनों तरफ से लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में घायल हुए लोग जमीन पर गिर पड़े। हालात बिगड़ते देख एक पक्ष के लोग मौके से भाग निकले। सूचना पर फागी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बताया कि घायलों में से चार की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें जयपुर के बड़े अस्पताल में रेफर किया गया है। वहीं, दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से मिली शिकायतों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एक दिन पहले भी जमीन की नपाई को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। फिलहाल इलाके में तनाव बना हुआ है और एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

जयपुर एयरपोर्ट पर उद्योगपति वासु श्रॉफ से कस्टम जांच के नाम पर दुर्व्यवहार, 35 लाख की घड़ी जब्त

पांच घंटे व्हीलचेयर पर बैठाए रखा, बाथरूम जाने भी नहीं दिया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं) एयरपोर्ट पर एनआरआई उद्योगपति वासु श्रॉफ के साथ कस्टम अधिकारियों द्वारा कथित दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। 85 वर्षीय वासु श्रॉफ को 11 अप्रैल को जांच के नाम पर करीब पांच घंटे तक व्हीलचेयर पर बैठाकर रखा गया। इस दौरान उनकी लगभग 35 लाख रुपए मूल्य की 10 साल पुरानी रोलेक्स घड़ी भी जब्त कर ली गई। रीगल ग्रुप के चेयरमैन वासु श्रॉफ दुबई से जयपुर आए थे और सीकर के फतेहपुर में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। श्रॉफ ने आरोप लगाया कि उन्हें न तो टॉयलेट जाने दिया गया और न ही सम्मानजनक व्यवहार मिला। अधिकारियों ने उनकी पुरानी घड़ी को नया मानते हुए ड्यूटी जमा कराने की मांग की। श्रॉफ ने बताया कि यह घड़ी 10 साल पुरानी है और उस पर पहले ही शुल्क अदा किया जा चुका है, बावजूद इसके कस्टम अधिकारियों ने घड़ी जब्त कर ली। वासु श्रॉफ 16 अप्रैल को दुबई लौट गए, लेकिन घड़ी उन्हें नहीं लौटाई गई। बाद में उनके अधिवक्ता धर्मेंद्र सिंह ने व्यक्तिगत रूप से जयपुर पहुंचकर 19 अप्रैल को घड़ी वापस ली और दुबई जाकर वासु श्रॉफ को सौंपी। वासु श्रॉफ ने कहा कि एयरपोर्ट पर कस्टम कार्यालय का कोई स्पष्ट बोर्ड या सूचना केंद्र नहीं था, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा होती है। उन्होंने सरकार से अपील की कि ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाए और यात्रियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। घड़ी निर्माता कंपनी रोलेक्स का दावा है कि उनके उत्पाद समय के साथ अपनी कीमत बढ़ाते हैं, जिससे कस्टम अधिकारियों ने घड़ी की वर्तमान कीमत के आधार पर ड्यूटी मांगने का तर्क दिया। फिलहाल इस पूरे प्रकरण को लेकर प्रशासन पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

राजस्थान के दूल्हे को पाकिस्तान जाने से रोका, 30 अप्रैल को होनी थी शादी

तीन साल की कोशिश के बाद मिला था वीजा, पहलगाम हमले के बाद बॉर्डर बंद

जयपुर टाइम्स

बाड़मेर(निसं.) जिले के इंद्रोई गांव निवासी शैतान सिंह (25) और उसके परिवार को अटारी बॉर्डर से लौटना पड़ा। वे पाकिस्तान के अमरकोट में होने वाली शादी के लिए रवाना हुए थे, लेकिन हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले (22 अप्रैल) के बाद सिक्योरिटी एजेंसियों ने बॉर्डर पर सख्ती कर दी और उन्हें सीमा पार करने से रोक दिया। शैतान सिंह की शादी 30 अप्रैल को पाकिस्तान के अमरकोट जिले की केसर कंवर (21) से तय थी। चार साल पहले दोनों की सगाई हुई थी और बीते तीन वर्षों से वीजा प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश चल रही थी। काफी प्रयासों के बाद इस साल 18 फरवरी को शैतान सिंह, उनके पिता और भाई का वीजा क्लियर हुआ था। परिवार 23 अप्रैल को वाघा-अटारी बॉर्डर के लिए रवाना हुआ और 24 अप्रैल को बॉर्डर पहुंचा। इसी बीच सुरक्षा कारणों से सीमा सील कर दी गई और उन्हें भारत लौटना पड़ा। हालांकि, उनका वीजा 12 मई तक वैध है, जिससे परिवार को अभी भी कुछ उम्मीद बाकी है कि यदि हालात सुधरे तो वे समय रहते पाकिस्तान जाकर शादी कर सकेंगे। शैतान सिंह ने कहा कि सरकार ने जो भी निर्णय लिया है, वे उसका सम्मान करते हैं, लेकिन शादी की अनिश्चितता से परिवार में चिंता का माहौल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही स्थिति सामान्य होगी और विवाह कार्यक्रम संपन्न हो सकेगा। बॉर्डर बंद होने के कारण अब परिवार को नया प्लान बनाना पड़ सकता है। फिलहाल परिवार घर लौट आया है और अगली सूचना का इंतजार कर रहा है। स्थानीय प्रशासन ने भी कहा है कि सुरक्षा कारणों से फिलहाल सीमा पार यात्राओं पर रोक लगी हुई है।

"विश्व पशु चिकित्सा दिवस" मनाया

कोटपूतली(निसं.) ग्राम पाथरेड़ी स्थित कृषि महाविद्यालय में शनिवार को "विश्व पशु चिकित्सा दिवस" बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्य अतिथि पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुष्पेन्द सराधना ने विश्व पशु चिकित्सा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुये बताया कि इस दिन का उद्देश्य पशु स्वास्थ्य देखभाल करना एवं पशु कुरता को रोकने के लिये कदम उठाने के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह दिवस हमें पशुओं के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी को याद दिलाता है। अध्यक्षता करते हुये अधिष्ठाता डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि हर मानव का यह कर्तव्य है कि वह अपने जीवन में पशुओं के महत्व को जानकर उनकी सेवा में समर्पित भाव से कार्य करें। एनएसएस प्रभारी डॉ. प्रवीण पिलानियाँ ने इस दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुये युवा पीढ़ी को पशुओं के प्रति प्रेम व सहानुभूति अपनाने पर अपने विचार प्रकट किये।,

हरियाणा में राजस्थान की महिला डॉक्टर की हत्या पेट पर हमला कर जलाया, दिल्ली टेस्ट देने गई थी

जयपुर टाइम्स

बहरोड़(निसं.)। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ क्षेत्र के अनंतपुरा गांव की रहने वाली डॉक्टर भावना यादव (25) की हरियाणा में हत्या कर दी गई। धारदार हथियार से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल किया गया और फिर आग लगा दी गई। भावना को हिसार के सोनी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां 24 अप्रैल की रात उनकी मौत हो गई। भावना की मां गायत्री यादव ने जयपुर के एसएमएस थाना पुलिस में उदेश यादव के खिलाफ हत्या का शक जताते हुए जीरो एफआईआर दर्ज करवाई है। मामला अब हिसार पुलिस को ट्रांसफर कर दिया गया है। भावना ने 2023 में फिलीपींस से एमबीबीएस किया था और पीजी की तैयारी कर रही थीं। 21 अप्रैल को वे दिल्ली में मेडिकल टेस्ट देने गई थीं। 24 अप्रैल को एक युवक उदेश यादव ने भावना की मां को फोन कर बताया कि भावना जल गई है और अस्पताल में भर्ती है। अस्पताल में परिजनों ने देखा कि भावना का चेहरा, पेट और घुटनों तक का हिस्सा बुरी तरह जला हुआ था, जबकि सिर और पीठ सुरक्षित थे। पेट पर धारदार हथियार से वार के निशान भी मिले। इससे साफ है कि हत्या कर सबूत मिटाने के लिए उन्हें जलाया गया। भावना का लैपटॉप, मोबाइल और जरूरी दस्तावेज भी गायब हैं। परिवार का कहना है कि यह एक सुनियोजित साजिश थी।

जिला जयपुर पश्चिम में बगरू में दिनदहाड़े हुई हथियार की नोक पर हुई डकैती की सनसनीखोज वारदात का पर्दाफाश

जयपुर टाईम्स

जयपुर(कासं.) बगरू में वारदात में शामिल तीन आरोपी को किया गया गिरफ्तार ,आरोपी, कन्हैया लाल शर्मा ऊफ चीकू पंडित पुत्र सुरेश कुमार शर्मा जाति ब्राह्मण, उमर 20 साल निवासी वार्ड नंबर 27 चिरोटा प्यारेलाल लोहार पुत्र राधा कृष्ण जाति लोहार उम्र से 37 निवासी गांव कुराडिया माताजी का खेड़ा जहाजपुर जिला भीलवाडा ,सोहेल पुत्र अब्दुल जाति मुसलमान पठान उम्र 20 साल निवासी चौकुटी फाटक कादरी फ्लोर मिल के पीछे बीकानेर , वारदात में प्रयुक्त दो देसी कट्टे, तीन जिंदा कारतूस, दो बाइक, एवं कंटेनर भी किए गए जप्त, पुलिस उपायुक्त जयपुर शहर अमित कुमार आईपीएस ने बताया कि बगरू थाने पर पारिवादी मनमोहन शर्मा ने एक रिपोर्ट दी की जुगल बाजार बगरू में मेरी रत्नेश्वरी ज्वेलर्स के नाम से दुकान है दिनांक 22.4.25 को शाम को 3 लड़के एक मोटरसाइकिल बजाज डिस्कवर से ए तीनों के पास अवैध हथियार थे जिस ने दुकान के बाहर निकाल देसी बम फोड़ा और एक हाथ में देसी कट्टा निकाल लिया और सामने वाली दुकानदारों को पास में नहीं आने के लिए धमकाने लग गया जिससे सभी बाजार वाली भयभीत तो गये उसने काउन्टर के पास आकर दरवाजे में लगे शीशे के गेट पर गोली चला दी दोनो बैगो मे दुकान मे से सोने व चांदी का सामन को 2 बेगो मे भरकर ले गये...

कार्यालय ग्राम पंचायत पारेवडा,
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक -G.P. PAREWARA / 2025-26/ E-TENDER/O1-07 दिनांक- 25-04-2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

ग्राम पंचायत पारेवड़ा में वर्ष 2025-26 के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री ₹ य हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in पर www.sppp.rajasthan.gov.in पर NIBNo.- ZCR2526A0109. UBN No. -ZC2526WSOB00242 देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पारेवडा
पं. स. बीदासर (चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत पारेवडा
पं. स. बीदासर (चूरू)

राजस्व बनाम लोक हित

वैसे इस प्रकार के कार्य प्रशासन द्वारा किए जाने चाहिए, पर दुर्भाग्यवश ऐसा न होने की स्थिति में पीड़ित वर्ग को स्वयं समाधान का रास्ता निकालने को बाध्य होना पड़ता है, जैसा कि आज उत्तर प्रदेश में हो रहा है। इस शराब-विरोधी आंदोलन में शामिल लगभग सभी महिलाएं एक ही तरह के तथ्य सामने ला रही हैं कि किस प्रकार शराब ने उनके परिवारों को, उनकी पीढ़ियों को बर्बाद किया है। किस तरह उनके घर का युवा पुरुष वर्ग भी इस बीमारी का शिकार होकर अपना जीवन तबाह कर रहा है। शराब के कारण कैसे उनका सामाजिक, आर्थिक व पारिवारिक जीवन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में उनके पास अपने परिवार को बचाने का यही एक उपाय दिखाई दे रहा है।जब भी इस प्रकार के आंदोलन होते हैं तो इनके साथ उन मुद्दों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जिन्हें सामान्य तौर पर इस दायरे से बाहर रखा जाता है, जैसे घरेलू हिंसा, घर-परिवार, कार्यस्थलों व अन्य सार्वजनिक ...

भारत में सामाजिक आंदोलनों का इतिहास और इनके माध्यम से स्वतंत्रता, समानता, न्याय, अस्मिता व सुरक्षा प्राप्त करने के लिए किया जाने वाला संघर्ष नया नहीं है। ये संघर्ष कहीं एक वर्ग-विशेष के अधिकारों से संबंधित रहे तो कहीं संपूर्ण समाज की कुरीतियों को दूर करने से संबंधित, पर इनका अंतिम ध्येय समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाना ही रहा। इसी कड़ी में हम वर्तमान में उत्तर प्रदेश में चल रहे शराब-विरोधी आंदोलन को भी देख रहे हैं जिसमें समाज में सुधार का बीड़ा महिलाओं ने अपने कंधों पर लिया है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब महिलाओं ने इस प्रकार का कोई कदम उठाया है। भारत के इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे जहां समाज में सुधार की सकारात्मक पहल महिलाओं ने की है। फिर, शराब विरोधी कार्यक्रमों में तो उनकी हमेशा से दिलचस्पी रही है। स्वाधीनता संग्राम के दिनों में, जब शराब की दुकानों और ठेकों को बंद कराने के लिए धरने दिए जाते थे तो उनमें महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक होती थी।

दरअसल, शराबखोरी का घरेलू बजट और घर-परिवार की सुख-शांति पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि महिलाएं शराब-विरोधी किसी भी मुहिम को अपना उत्साहपूर्ण समर्थन दें और ऐसी मुहिम में शामिल भी हों। उनके इस रुख का असर राजनीति पर भी देखा जा सकता है। नीतीश कुमार को बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में महिलाओं का भरपूर समर्थन मिला, तो इसका प्रमुख कारण राज्य में उनकी सरकार का शराबबंदी का फैसला ही था। पिछले कुछ महीनों से उत्तर प्रदेश में शराब की दुकानों के विरुद्ध महिलाओं ने व्यापक स्तर पर आंदोलन चलाया है। सहारनपुर से शुरू हुआ यह आंदोलन थोड़े ही समय में पूरे प्रदेश में फैल गया, जिसने 1992 में आंध्र प्रदेश में महिलाओं द्वारा किए गए ताड़ी विरोधी आंदोलन की याद ताजा कर दी है। 1992 में आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले से शुरू हुआ ताड़ी विरोधी आंदोलन पूरे राज्य में बड़ी तेजी से फैल गया था, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने ताड़ी की बिक्री व नीलामी के विरुद्ध मोर्चा खोला तथा सरकार को बाध्य किया कि वह प्रदेश में ताड़ी की बिक्री पर प्रतिबंध लगाए। यह आंदोलन न तो किसी राजनेता से प्रभावित था और न ही किसी राजनीतिक दल से, बल्कि यह महिलाओं की स्वतस्फूर्ति का जीता-जागता उदाहरण था जिसने इस आंदोलन को भारत के सामाजिक आंदोलनों के इतिहास में एक सफल महिला आंदोलन के रूप में दर्ज कराया।

वैसे इस प्रकार के कार्य प्रशासन द्वारा किए जाने चाहिए, पर दुर्भाग्यवश ऐसा न होने की स्थिति में पीड़ित वर्ग को स्वयं समाधान का रास्ता निकालने को बाध्य होना पड़ता है, जैसा कि आज उत्तर प्रदेश में हो रहा है। इस शराब-विरोधी आंदोलन में शामिल लगभग सभी महिलाएं एक ही तरह के तथ्य सामने ला रही हैं कि किस प्रकार शराब ने उनके परिवारों को, उनकी पीढ़ियों को बर्बाद किया है। किस तरह उनके घर का युवा पुरुष वर्ग भी इस बीमारी का शिकार होकर अपना जीवन तबाह कर रहा है। शराब के कारण कैसे उनका सामाजिक, आर्थिक व पारिवारिक जीवन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में उनके पास अपने परिवार को बचाने का यही एक उपाय दिखाई दे रहा है।जब भी इस प्रकार के आंदोलन होते हैं तो इनके साथ उन मुद्दों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जिन्हें सामान्य तौर पर इस दायरे से बाहर रखा जाता है, जैसे घरेलू हिंसा, घर-परिवार, कार्यस्थलों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं का यौन-उत्पीड़न आदि। उत्तर प्रदेश में चल रहे शराब-विरोधी आंदोलन में भी महिलाओं ने इन संवेदनशील व निजी माने जाने वाले मुद्दों की ओर ध्यान दिलाया है जिनके लिए वे पुरुषों की शराबखोरी को एक बड़ा कारण मान रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में 12212 व्यक्तियों पर एक शराब की दुकान है। सूबे में शराब की अठारह हजार से अधिक दुकानें हैं। इनमें शराब के अवैध ठेके शामिल नहीं हैं जिन्हें बिना अनुमति के गांवों के अंदर चलाया जा रहा है। अब अगर इसकी तुलना प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था से की जाए तो आंकड़े बेहद निराश करने वाले हैं। प्रदेश में औसतन 2 लाख 30 हजार लोगों पर एक अस्पताल व लगभग उन्नीस हजार लोगों पर 1 चिकित्सक है। अब इसे चाहे प्रदेश का दुर्भाग्य कहें या प्रशासन की उदासीनता से उपजी विफलता, वास्तविकता यही है कि यहां चिकित्सा सुविधा के बजाय शराब की उपलब्धता अधिक है।शराबबंदी के प्रश्न को लेकर अक्सर तर्क दिया जाता है कि शराब से सरकार को सबसे अधिक राजस्व प्राप्त होता है। ऐसे में इसे प्रतिबंधित करना आर्थिक रूप से घाटे का सौदा होगा। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि यह संभव नहीं है क्योंकि समाज का एक बड़ा कामगार वर्ग इस व्यवसाय से जुड़ा हुआ है; यदि शराबबंदी की गई तो उन मजदूरों का क्या होगा जिनकी रोजी-रोटी इससे चलती है। सत्तासीन व्यक्तियों की इस प्रकार की प्रतिक्रिया निराशाजनक है। यदि देश के छह राज्य (पांच राज्य व एक केंद्र-शासित प्रदेश) शराबबंदी को लागू कर सकते हैं तो बाकी क्यों नहीं? संविधान का अनुच्छेद-47 भी राज्य को इस बारे में निर्देश देता है कि राज्य अपने नागरिकों के पोषाहार-स्तर और जीवन-स्तर को ऊंचा करने तथा लोक स्वास्थ्य में सुधार करने का प्रयास करेगा। इस व्यवसाय में लाभ देखने वालों को यह भी देखना चाहिए कि इससे पारिवारिक व सामाजिक जीवन का ताना-बाना किस हद तक प्रभावित हो रहा है।

शराबबंदी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय स्वागत योग्य है, पर इसे लागू करने का कार्य हमारे माननीयों द्वारा ही किया जाना है। और यदि वे ऐसा करने में असफल होते हैं तो समाज का प्रभावित वर्ग ही इसकी पहल करेगा और हिंसा व अहिंसा की सैद्धांतिक बहस से परे इसी रूप में करेगा जैसा इस समय उत्तर प्रदेश में हो रहा है। यह सही है कि समाज में सुधारों की मांग व उसके लिए प्रयास समाज के भीतर से ही शुरू होने चाहिए, पर इन सुधारों को वैधानिकता तभी प्राप्त होगी जब उन्हें शासन-प्रशासन का समर्थन प्राप्त हो जिसका फिलहाल प्रदेश में अभाव दिख रहा है।

सम्पादकीय

आतंक पर आर-पार की तैयारी, सिंधु से सीमा तक सख्ती

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले का स्वरूप ऐसा है कि भारत सरकार के लिए इस मसले पर ठोस कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। इसलिए भारत ने इस बर्बर घटना के बाद सख्त कदम उठाते हुए अगर पाकिस्तान को साफ संदेश दिया है तो यह स्वाभाविक है। यह जगजाहिर हकीकत है कि भारत में आतंकवादी गतिविधियों के पीछे पाकिस्तान की क्या भूमिका रही है। इसलिए भारत के सामने अब एक तरह की मजबूरी आ खड़ी हुई है कि वह आतंकवाद और उसे शह देने वाले देश के खिलाफ नीतिगत स्तर पर कोई ठोस कदम उठाए। इसी क्रम में गुरुवार को भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध कई कड़े कदम उठाने की घोषणा की। इनमें पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा पर पाबंदी, दूतावास में राजनयिक कर्मचारियों की संख्या में कटौती, अटारी-वाघा सीमा को बंद करना और सबसे अहम छह दशक पुरानी सिंधु जल संधि के क्रियान्वयन को निलंबित करना शामिल है। जाहिर है, भारत की ओर से आतंक के विरुद्ध उठाए गए ये कदम पाकिस्तान को नागवार गुजरेंगे, लेकिन सच यह है कि लंबे समय से भारत में आतंकवाद की समस्या को और ज्यादा जटिल बनाने में पाकिस्तान की जो भूमिका रही है, उसने कई स्तर पर मुश्किलें खड़ी की हैं। दूसरी ओर, आतंकवाद को बढ़ावा देने में अपने भूमिका पर शर्मिंदा होने के बजाय पाकिस्तान इस मसले पर आमतौर पर अपनी हठधर्मिता ही प्रदर्शित करता रहा है। इस बार भी जब भारत ने कुछ सख्ती दिखाई तो हकीकत स्वीकार करने के बजाय पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई के तौर पर भारत के साथ द्विपक्षीय शिमला समझौते को निलंबित करने, हवाई क्षेत्र और सीमाओं को बंद करने जैसे कुछ कदम उठाने की घोषणा कर दी। सवाल है कि ऐसा करके पाकिस्तान क्या साबित करना चाहता है। पहलगाम में आतंकी हमला आतंकवादियों के अपने एजंडे के लिए क्रूरता की हर हद को पार करने की मंशा का सबूत है। वरना क्या कारण है कि कश्मीर गए जिन पर्यटकों का उद्देश्य वहां घूमना-फिरना और प्रकृति के सौंदर्य के बीच खुशी के कुछ पल गुजारना था, उन्हें भी मार डालने में आतंकियों को कोई हिचक नहीं हुई। इस हमले का एक सीधा असर जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ पर चोट भी है। सवाल है कि इस तरह की क्रूरता करके आतंकवादी किसके हित में काम कर रहे हैं। समय-समय पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत सबूतों के साथ आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा करता रहा है। मगर पाकिस्तान हर बार इसे महज आरोप बताता है। जबकि भारतीय सीमा में घुसपैठ से लेकर आए दिन होने वाले आतंकी हमलों में पाकिस्तान के संरक्षण के तथ्य सामने आते रहे हैं। फिलहाल पाकिस्तान जल संकट से दो-चार है और ऐसे में अगर भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने की घोषणा की है तो इससे पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ेंगी। पहलगाम में पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी और उसमें काफी लोगों की मौत के बाद भारत ने जो सख्त कदम उठाने की घोषणा की है, उसमें यह संदेश साफ है कि अगर पाकिस्तान आतंक के रास्ते भारत को अस्थिर करने और निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादी संगठनों को समर्थन और शह देना जारी रखता है तो उसे इसके नतीजे भी भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए।

जल संकट या प्रशासनिक विफलता?

फुलेरा की पीड़ा पर सोचने का समय

फुलेरा में बीते एक वर्ष से गहराता जल संकट अब एक स्थानीय समस्या से कहीं अधिक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक प्रश्न बन चुका है। पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए नागरिकों को 4-5 दिन तक इंतजार करना न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि यह हमारे शासकीय ढांचे की असफलता का भी आइना है। जब महिलाएं और बच्चे दूर-दूर तक पानी की तलाश में भटकने को मजबूर हों, तो यह मात्र सुविधा का संकट नहीं रह जाता, बल्कि यह एक गहरी मानवीय त्रासदी का रूप ले लेता है। जलदाय विभाग बार-बार बीसलपुर से पानी आपूर्ति में कमी का बहाना बनाकर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा है। लेकिन स्थानीय निवासियों के आरोप बताते हैं कि समस्या की जड़ स्थानीय स्तर पर मौजूद वितरण व्यवस्था की खामियों में छिपी है, जिनका समय रहते समाधान नहीं किया गया। पाइपलाइनों की जर्जर स्थिति, पानी के अनियमित वितरण और लीक होने वाली सप्लाई लाइनों के चलते जो पानी उपलब्ध है, वह भी लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा। यह सीधे तौर पर विभागीय उदासीनता और तकनीकी लापरवाही का परिणाम है। वार्ड पार्षद

लेखक-राजकुमार दिवाल,

यतेन्द्र झांकड़ा द्वारा लगातार अधिकारियों से संवाद करने और समाधान की मांग करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होना इस बात को स्पष्ट करता है कि प्रशासनिक तंत्र केवल कागज़ी घोड़ों पर दौड़ रहा है। ऐसे में नागरिकों का गुस्सा फूटना स्वाभाविक है। सवाल यह उठता है कि जब चुने हुए प्रतिनिधि और अधिकारी आम जनता की बुनियादी समस्याओं को भी गंभीरता से नहीं लेते, तो फिर लोकतंत्र का असली उद्देश्य क्या रह जाता है? राजनीतिक दृष्टि से स्थिति और भी विडंबनापूर्ण है। सत्ता पक्ष द्वारा पूर्व में जल संकट को लेकर किए गए आंदोलन और विरोध प्रदर्शनों के बावजूद आज वही दल सत्ता में होते हुए भी समाधान नहीं कर पा रहा है। दूसरी ओर विपक्ष भी इस पूरे प्रकरण में मौन साधे बैठा है, जिससे जनता के बीच उनकी विश्वसनीयता पर भी सवाल उठने लगे हैं। राजनीति का यह मौन केवल जल संकट को ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही की संपूर्ण अवधारणा को भी कठघरे में खड़ा करता है। आज फुलेरा के लोग संघर्ष के मूड में हैं। उनका चेतावनी भरा स्वर स्पष्ट है—यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो यह आंदोलन किसी एक वार्ड या कॉलोनी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले सकता है। यह चेतावनी सिर्फ स्थानीय प्रशासन के लिए नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र के लिए भी एक गंभीर संदेश है। फुलेरा की समस्या महज एक कस्बे तक सीमित नहीं है। यह कहानी पूरे देश के उन इलाकों की प्रतिनिधि बनती जा रही है, जहां मूलभूत सुविधाओं के लिए जनता को संघर्ष करना पड़ता है। यह समय है जब प्रशासन, विभाग और जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों को समझें और ठोस कार्य योजना बनाकर उसे ईमानदारी से लागू करें। वरना, जनता का असंतोष ऐसा रूप ले सकता है जो न केवल सत्ता की नींव हिला देगा, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों के विश्वास को भी गहरी चोट पहुंचाएगा।

प्लास्टिक के खतरे

स्थिति इतनी खराब है कि अब इसके सूक्ष्म कण वर्षा जल का हिस्सा बन सभी क्षेत्रों को भी प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे में जिन देशों क्षेत्रों के लोग प्लास्टिक का उपयोग नहीं करते हैं, उनका भी बच पाना मुश्किल है। सवाल उठता है कि प्रतिबंध के बाद भी प्लास्टिक का विभिन्न रूपों में उपयोग जारी कैसे है? क्या हम अपनी सुविधाओं की खातिर अपनी संतान के लिए बेहतर दुनिया नहीं छोड़ना चाहते हैं? फिर हम उन समुद्री जीव-जंतुओं की चिंता कैसे करेंगे? हालांकि कई समुद्री उत्पाद का इस्तेमाल मानव भी करता है, जो इन्हीं जीव-जंतुओं के माध्यम से प्लास्टिक उनके पेट तक पहुंचता है, जिससे पेट संबंधी अनेक तरह की बीमारियां होने का खतरा रहता है। इसके अति सूक्ष्म कण हवा में तैरते रहते हैं, जो सांस के जरिए फेफड़ों में प्रवेश करते हैं। लिहाजा माइक्रो प्लास्टिक के नुकसान से लोगों को जागरूक करना होगा। इसके लिए बाकायदा जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, अन्यथा जैव विविधता का संतुलन गड़बड़ाने से जो आगत समस्याएं हैं, वह ऐसी अनेक महामारियों को जन्म दे सकती हैं। सबसे बड़ी बात है हमारे जीवन से ऐसी चीजें तुरंत हटवाने के इंतजाम किए जाएं जो प्रदूषणकारी हैं। प्लास्टिक का उपयोग वहीं हो, जिसका उन जगहों पर कोई अन्य विकल्प तैयार न हुए हों, अन्यथा हम खुद अपना जीवन बेकार करने पर उतारू होंगे। 23 दिसंबर 1922 को रेडियो पर पहली बार समाचार कार्यक्रमों का प्रसारण शुरू हुआ था। सूचना एवं समाचार प्रसारण में इसे एक बड़ी क्रांति माना गया। रेडियो प्रसारण से सूचनाओं को व्यापक समूह तक पहुंचाना सरल हो गया। आजादी के बाद से रेडियो जगत में आल इंडिया रेडियो का एकतरफा राज चला। रेडियो पर प्रसारित होने वाले कई कार्यक्रम बनाए गए और एक समय के बाद इसका विज्ञापन प्रसारण के लिए भी उपयोग किया जाने लगा। मगर 1980 के दशक में वैश्वीकरण और उदारीकरण जैसी नीतियों के आने से रेडियो के क्षेत्र में विस्तार हुआ और इसमें पश्चिम का प्रवेश हुआ। रेडियो प्रसारण में निजी संस्थानों ने भी अपने हाथ आजमाने शुरू किए। इसके कारण एक समय के बाद आल इंडिया रेडियो की ख्याति कम होने लगी। आज अगर रेडियो सुनने वालों और रेडियो का उपयोग करने वालों की बात की जाए तो शायद एक हजार में से महज अस्सी लोग इससे जुड़े होंगे। आज के समय में विविध भारती और आकाशवाणी जैसी रेडियो प्रसारण सेवाएं सिर्फ नाममात्र के लिए मौजूद हैं। रेड एफएम, बिग एफएम, रेडियो मिर्ची जैसे निजी संस्थानों के कंधे पर ही रेडियो का अस्तित्व अपनी आखिरी सांसें ले रहा हैं।

सिनेमाघर की संस्कृति

पिइतिहास का सिनेमा या सिनेमा का इतिहास इसी तरह का रहा है। इस पूरी धारा को पिछली सदी के अवसान तक हमारे फिल्मकारों ने बखूबी चलाए रखा। इसमें समझदार और प्रबुद्ध निर्माता-निर्देशकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हमारी स्मृति से यह बात चली नहीं गई है कि सामाजिक और पारिवारिक फिल्में, हास्य, मारधाड़ की एक्शन फिल्में, अधिक हिंसा और प्रतिवाद या प्रतिशोध वाली फिल्मों के निर्देशकों के बाकायदा नाम दर्शकों ने रट रखे थे।

पिछले कुछ समय से लगातार यह प्रश्न कौंध रहा है जो सांस्कृतिक अस्मिता की दृष्टि से बहुत मायने रखता है। जिस तरह धीरे-धीरे दर्शक का मन सिनेमाघर से उचट रहा है और उसे विकल्प के रूप में 'नेटफ्लिक्स' से लेकर छोटी अवधि की रोचक फिल्मों को देखने का अवसर यूट्यूब आदि के माध्यम से घर बैठे सुलभ होने लगा है, वह सब देख कर लगता है कि फिल्म निमार्ताओं नेसिनेमा के प्रति उदासीन होते दर्शक की नब्ज टटोल ली है। पिछले एक दशक में सिनेमा जिस तरह की प्रयोगधर्मिता से गुजर रहा है या उसमें वह धीरे-धीरे अपनी मुट्ठी से फिसलती रेत का अनुभव कर पा रहा है। जो अकेला दर्शक है या दर्शकों का समूह है, वह अपने आकर्षण को अब पृथक करने चला है।

जीवन की आपाधापी, सामाजिक और राजनीतिक समस्याएं और उससे प्रभावित जीवन, बाजार, सुरक्षा, अपराध और महंगाई जैसे बड़े चिंतनीय विषयों के आगे मनोरंजन का माध्यम सिनेमा अब उतना प्रभाव नहीं रख पा रहा, जिसकी अपेक्षा की जाती थी। जिसकी उत्कृष्टता या श्रेष्ठता का अपना पैमाना होता था, वह सिनेमा हमारे दर्शक को थोड़ी ही देर के लिए सही, यथार्थ से मुक्त करता था, हंसाता या रुलाता था, क्रोध दिलाता था, व्यथित करता था, रोमांटिक होने देता था और फिर हौले से उसे उसकी दुनिया में लौट जाने देता था। इतिहास का सिनेमा या सिनेमा का इतिहास इसी तरह का रहा है। इस पूरी धारा को पिछली सदी के अवसान तक हमारे फिल्मकारों ने बखूबी चलाए रखा। इसमें समझदार और प्रबुद्ध निर्माता-निर्देशकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हमारी स्मृति से यह बात चली नहीं गई है कि सामाजिक और पारिवारिक फिल्में, हास्य, मारधाड़ की एक्शन फिल्में, अधिक हिंसा और प्रतिवाद या प्रतिशोध वाली फिल्मों के निर्देशकों के बाकायदा नाम दर्शकों ने रट रखे थे। इसकी प्रकार वह कलाकार अभिनेता और अभिनेत्रियों के बारे में भी ठीक-ठीक पहचान बता पाता था। उस पूरे बड़े स्वर्णयुगीन कालखण्ड में चरित्र अभिनेताओं, सहायक अभिनेताओं और यहां तक कि एक-दो दृश्य के लिए भी परदे पर आकर चले जाने वाले कलाकार अपने हस्ताक्षर करके चले जाते थे। बीती सदी के अंतिम दशक में ये सब चेहरे धूमिल होना शुरू हो गए थे। सिनेमा दो धाराओं में बंट चला था। यथार्थवादी सिनेमा के फिल्मकारों ने बाजारू सिनेमा और उसके बनाने वालों को थोड़ा चौकन्ना जरूर किया, लेकिन ऐसे फिल्मकारों का भी रचनात्मक आंदोलन पंद्रह-बीस वर्षों में सिमट कर रह गया। महानायकवाद ने सिनेमा संस्कृति को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया, जिसने समांतर कलाकारों के भविष्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया। बाद का हीरो परदे पर खुद ही सब कुछ हो गया। नई सदी में तो आगे निकलने, दूसरे से अपने को बेहतर दिखाने की स्पर्धा ऐसी हुई कि वह अहंकार, संकीर्णता और कुंठा की अनेक कहानियों के साथ हिंदी सिनेमा संस्कृति की पोल खोलती रही। अब तो स्पर्धी सितारों के बीच सौहार्द की जो पींगे दिखाई देने लगी हैं, वे कितनी सच्ची हैं, इसका अंदाजा लगा पाना कठिन है, क्योंकि चकाचौंध भरे इस माध्यम से लोकलाज को देखते हुए गले मिलने, एक-दूसरे को सराहने और मुस्कराने का भी अगर समझौता कर लिया जाता हो तो इस बात पर कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। आज के सिनेमा का अर्थ पांच-छह प्रौढ़ नायकों के केंद्र में रहने वाले सिनेमा से लगाया जा सकता है।

यह भी हो रहा है कि दर्शक इनके सिनेमा को कई बार अस्वीकार कर रहा है। बाजार के आंकड़े और टिकट खिड़की पर धन संग्रह को बढ़ा-चढ़ा कर प्रचारित करने का गोपनीय खेल अपना ढोल अलग बजाता है। सच दर्शक जानता है, क्योंकि वही खाली पड़े सिनेमाघर में मुट्ठी भर लोगों के बीच सौ-सौ करोड़ की कमाई करने वाली फिल्म देख रहा होता है। मल्टीप्लेक्स, आइनॉक्स और दूसरे ऐसे ही मॉल केंद्रित सिनेमाघरों में फिल्म देखना फिल्म को देखने से ज्यादा अपने आसपास को देखने का अनुभव बन गया है। हॉल में प्रवेश करने से पहले, मध्यांतर का समय यह सब गैलरी की चमक-दमक को देखने, आपस में तौलने और मिलान करने की दृष्टि से ज्यादा प्रभावी होता जा रहा है। इधर 'नेटफ्लिक्स' या 'अमेजन प्राइम' आदि मानो सिनेमाघरों का स्पर्धी ही बन कर आ गए हैं।

मैं आपसे सबसे ज्यादा प्यार करती हूं अप्पा: श्रुति हासन

बालीवुड एक्ट्रेस श्रुति हासन ने अपनी जिंदगी के सबसे खास रिश्ते पर खुलकर बात की है। अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने बताया कि वह किससे सबसे ज्यादा प्यार करती हैं, और वह कोई और नहीं बल्कि उनके पिता और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता-निर्देशक कमल हासन हैं। श्रुति ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह अपने पिता के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीरों में कमल हासन ब्राउन पैंट और बेबी पिंक टी-शर्ट पहने कुर्सी पर बैठे हैं, जबकि श्रुति ब्लैक आउटफिट में उनके पैरों के पास जमीन पर बैठी हैं। दोनों कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रहे हैं। इन प्यारी तस्वीरों के साथ श्रुति ने एक इमोशनल कैप्शन भी लिखा है: 'आप हमेशा मेरी जिंदगी की रोशनी और ताकत का जरिया हो, हंसी का कारण होज मैं आपसे सबसे ज्यादा प्यार करती हूं अप्पा।' फैंस को यह पोस्ट काफी पसंद आ रही है और सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई भावुक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई यूजर्स ने पिता-बेटी के इस प्यारे रिश्ते को दिल छू लेने वाला बताया है। श्रुति का पूरा नाम श्रुति राजलक्ष्मी हासन है। उनका जन्म 28 जनवरी 1986 को तमिलनाडु में हुआ था, जो उनके माता-पिता कमल हासन और सारिका की शादी से दो साल पहले हुआ था। बाद में कमल और सारिका ने 1988 में विवाह किया और उनकी दूसरी बेटी अक्षरा हासन का जन्म हुआ। हालांकि 2004 में यह रिश्ता तलाक के साथ खत्म हो गया। श्रुति और कमल हासन के बीच का यह भावनात्मक रिश्ता इंडस्ट्री में मिसाल माना जाता है, और एक बार फिर इस पोस्ट ने यह साबित कर दिया कि पब्लिक फिगर होने के बावजूद भी कुछ रिश्ते बेहद निजी और अनमोल होते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस श्रुति हासन अक्सर अपने अभिनय से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। फैंस और पैपराजी अक्सर उनसे शादी और रिलेशनशिप को लेकर सवाल पूछते हैं।

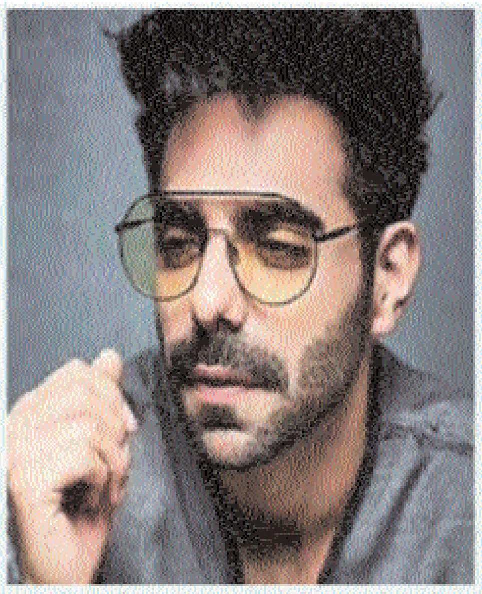

रचनात्मक प्रस्तुति को लेकर सुर्खियों में अपारशक्ति खुराना

अपनी रचनात्मक प्रस्तुति को लेकर अभिनेता, गायक और होस्ट अपारशक्ति खुराना आजकल सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में मशहूर पाकिस्तानी कवि अनवर मसूद की प्रसिद्ध कविता बनैन को अपनी शैली में प्रस्तुत किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इस रचनात्मक यात्रा का सबसे भावुक पल तब आया जब यह प्रस्तुति खुद अनवर मक़सूद साहब तक पहुँची। उन्होंने न केवल इस प्रयास को सराहा, बल्कि अपारशक्ति के अभिनय और अदायगी की खुलकर तारीफ भी की। अनवर मक़सूद ने अपारशक्ति के लिए एक विशेष वीडियो संदेश भेजा जिसमें उन्होंने कहा, खुराना साहब, आपने मेरी नज्म बनैन जो पढ़ी है, वह मैंने सुनी है और मुझे बहुत पसंद आई है। मेरी नज्म और आपकी अदायगी, दोनों मिलकर एक बहुत खूबसूरत मंज़र पेश करते हैं। मैं आपको इस अदायगी पर मुबारकबाद देता हूँ। ऐसे प्रतिष्ठित साहित्यकार से मिली सराहना से अपारशक्ति भावुक हो उठे और उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से अपना आभार प्रकट करते हुए लिखा कि यह क्षण उनके लिए अविस्मरणीय है। उन्होंने अनवर साहब की पोती हादिआ आकिब को भी विशेष धन्यवाद दिया, जिनकी मदद से यह वीडियो संदेश उनके पास पहुँचा। अपारशक्ति का यह प्रयास न केवल उनकी बहुआयामी प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि साहित्य और कला की भाषा सीमाओं से परे होती है। इस भावनात्मक संवाद ने भारत और पाकिस्तान के बीच सांस्कृतिक रिश्तों की एक खूबसूरत मिसाल पेश की है। अपारशक्ति की यह प्रस्तुति सिर्फ एक वीडियो नहीं, बल्कि एक सरहद पार साहित्यिक पुल है जो दिलों को जोड़ता है। अब दर्शकों की निगाहें उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स पर हैं। वह जल्द ही फिल्म बदतमीज़ गिल में परेश रावल और वाणी कपूर के साथ नजर आएंगे।

निल बटे सन्नाटा: अच्छी कहानी के लिए नामी चेहरे जरूरी नहीं

साल 2015 में आई छोटी सी फिल्म निल बटे सन्नाटा ने बिना बड़े सितारों या भारी प्रमोशन्स के वो कर दिखाया, जो बड़ी-बड़ी फिल्मों के लिए भी मुश्किल होता है। प्रोडक्शन हाउस 'कलर यलो प्रोडक्शन्स' के तहत बनी इस फिल्म ने यह संदेश दिया कि एक अच्छी कहानी के लिए जरूरी नहीं कि नामी चेहरे हों, बस सच्ची भावनाएं और मेहनत से रचा गया सपना होना चाहिए। फिल्म एक सिंगल मदर की कहानी कहती है, जो घरेलू सहायिका होने के बावजूद अपनी बेटी के लिए ऊँचे सपने देखती है। इस किरदार को स्वरा भास्कर ने बेहद संजीदगी से निभाया। उनकी परफॉर्मेंस ने दर्शकों को न सिर्फ भावुक किया, बल्कि सोचने पर भी मजबूर कर दिया कि समाज में किस तरह सपनों को वर्ग, उम्र या हैसियत के आधार पर सीमित कर दिया जाता है।

निल बटे सन्नाटा की सबसे बड़ी खूबी यही थी कि उसने उम्मीद और हौसले की बात की, और दिखाया कि अगर इरादा पक्का हो, तो कोई भी बाधा मायने नहीं रखती। यह फिल्म उस पुरानी सोच को तोड़ती है कि एक सफल फिल्म में पुरुष लीड जरूरी होता है। इस फिल्म में कैमरे के दोनों ओर महिलाएं थीं सामने स्वरा भास्कर, और निर्देशन की कमान थामे अश्विनी अय्यर तिवारी, जिनके लिए यह पहली फिल्म थी। उन्होंने एक ऐसी कहानी कही जो हर उम्र, हर वर्ग और हर जेंडर को छू गई।

नौ साल बीत जाने के बाद भी निल बटे सन्नाटा उतनी ही प्रासंगिक, ताज़ा और प्रेरणादायक लगती है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक दृष्टिकोण है एक भरोसा कि परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन हों, अगर उम्मीद थामे रखी जाए, तो ज़िंदगी बदली जा सकती है। यह फिल्म उन गिनी-चुनी कहानियों में से एक है जो आपको मुस्कुराना सिखाती है, और यह यकीन दिलाती है कि जहां भी हों, आप आगे बढ़ सकते हैं। सपनों की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती, और यही बात निदेशक आनंद एल राय और फिल्म निल बटे सन्नाटा ने साबित कर दी।

जान्हवी ने पीरियड्स के दर्द को कम आंकने वाले पुरुषों पर साधा निशाना

हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने महिलाओं के पीरियड्स के दर्द को कम आंकने वाले पुरुषों पर निशाना साधा। जान्हवी का कहना है कि अगर मर्दों को पीरियड्स होते तो वे एक पल भी इस दर्द को सहन नहीं कर पाते, और शायद तब पूरी दुनिया में युद्ध जैसा माहौल बन जाता।

उन्होंने कहा कि कई बार जब महिलाओं का मूड खराब होता है या वे किसी बात पर बहस करती हैं, तो पुरुष उन्हें यह कहते हैं, क्या यह पीरियड्स का समय है? लेकिन जान्हवी का मानना है कि इस तरह की बातें महिलाओं के दर्द और भावनाओं को अनदेखा करने जैसी हैं। उनका कहना है, अगर आप सच में हमारी भावनाओं को समझते हैं तो आपको थोड़ा रुकना चाहिए, क्योंकि पीरियड्स का दर्द इतना गहरा होता है कि उसे शब्दों में नहीं कहा जा सकता। जान्हवी ने आगे कहा, यह बहुत अजीब और गलत नजरिया है, क्योंकि मैं आपको विश्वास दिलाती हूं, पुरुष इस दर्द और मूड स्विंग को एक मिनट भी सहन नहीं कर पाएंगे। अगर मर्दों को पीरियड्स होते तो शायद पूरी दुनिया में परमाणु युद्ध जैसा माहौल बन जाता।

जान्हवी का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और लोग इसे लेकर खूब चर्चा कर रहे हैं। जान्हवी कपूर की 2024 में तीन फिल्में रिलीज़ हुईं, जिनमें मिस्टर एंड मिसेज माही, उलझन और देवरा पार्ट 1 शामिल हैं। अब एक्ट्रेस अपनी अगली फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा, उनकी फिल्म परम सुंदरी 2025 में रिलीज़ होगी। जान्हवी तेलुगु फिल्म पेद्दी में भी नजर आएंगी, जिसमें राम चरण, शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी होंगे। पेद्दी 27 मार्च 2026 को रिलीज़ होने वाली है।

फिल्म निकिता रॉय की रिलीज डेट का ऐलान

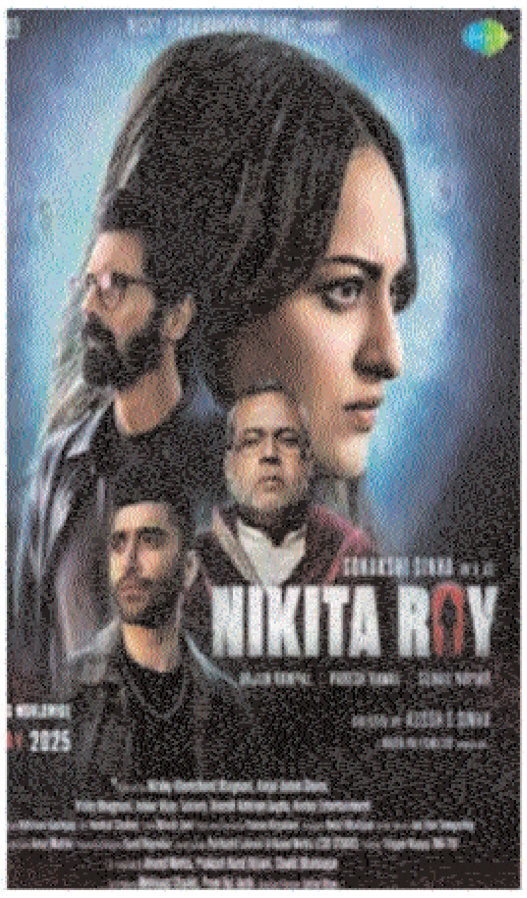

साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म निकिता रॉय की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिका निभा रही हैं, उनके साथ अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर जैसे दमदार कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 30 मई, 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में फिल्म का एक नया पोस्टर भी जारी किया गया है, जिसमें इसकी ऑफिशियल रिलीज डेट का खुलासा किया गया है। निकिता रॉय का निर्देशन कुश एस. सिन्हा ने किया है। फिल्म का जॉनर साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो ह्यूमन माइंड के ग्रे एरियाज और रहस्यमय परतों को सामने लाने का दावा करती है। फिल्म का निर्माण निकिता पाई फिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले हुआ है। इसका नेतृत्व किंजल अशोक घोने ने किया है और इसमें निक्की खेमचंद भगनानी, विक्की भगनानी, अंकुर टकरानी, दिनेश रतिराम गुप्ता और क्रेटोस एंटरटेनमेंट ने सहयोग दिया है। फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले पवन कृपलानी ने लिखा है, जो थ्रिलर जॉनर के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के निर्माता निक्की और विक्की भगनानी ने अपनी उत्सुकता साझा करते हुए कहा, यह फिल्म हमारे दिल के बेहद करीब है। यह उन विषयों को छूती है जो आमतौर पर मेनस्ट्रीम सिनेमा में नहीं दिखते। फिल्म की कहानी, शानदार कास्ट और कुश एस सिन्हा का अलग विजन इसे एक मस्ट-वॉच बनाता है। हमें पूरा भरोसा है कि दर्शक इस तरह के कंटेंट के लिए तैयार हैं रहस्य, थ्रिल और मनोवैज्ञानिक गहराईयों से भरपूर यह फिल्म 2025 की सबसे रोचक थ्रिलर्स में से एक मानी जा रही है। दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर उत्साह पहले से ही देखने को मिल रहा है। निकिता रॉय को आनंद मेहता, प्रकाश नंद बिजलानी, शक्ति भटनागर, मेहनाज़ शेख और प्रेम राज जोशी ने को-प्रोड्यूस किया है।

'महाभारत' पर काम शुरू करने जा रहे हैं आमिर खान

हाल ही में एक इंटरव्यू में बालीवुड एक्टर आमिर खान ने खुलासा किया कि वह इस साल से 'महाभारत' पर काम शुरू करने जा रहे हैं। यह फिल्म उनका अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट साबित होने वाला है। उन्होंने बताया कि 'महाभारत' को मल्टीपल पार्ट्स में बनाया जाएगा, ठीक उसी तरह जैसे हॉलीवुड की मशहूर सीरीज 'लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' को पेश किया गया था। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस भव्य प्रोजेक्ट की स्क्रिप्टिंग में काफी समय लग सकता है क्योंकि कहानी को संजीदगी और विस्तार के साथ दर्शाना उनका प्राथमिक उद्देश्य है। फिल्म को लेकर आमिर ने यह भी कहा कि वह खुद इस प्रोजेक्ट को डायरेक्ट नहीं करेंगे। उन्होंने इसे एक मल्टी-डायरेक्टर प्रोजेक्ट बताया, जिसका निर्देशन कई फिल्ममेकर मिलकर करेंगे।

इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म के हर पार्ट पर एक अलग दृष्टिकोण और विशेषज्ञता के साथ काम किया जाएगा। वहीं, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह खुद फिल्म में एक्टिंग करेंगे, तो आमिर ने कहा कि इस बारे में उन्होंने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है।

उन्होंने कहा कि रोल्स का चयन टीम करेगी और इस बात का फैसला लिया जाएगा कि कौन सा कलाकार किस किरदार के लिए सबसे उपयुक्त होगा। आमिर खान आखिरी बार साल 2022 में फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आए थे, जो हॉलीवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गम्प' की आधिकारिक रीमेक थी। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब आमिर फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' में दिखाई देंगे, जो साल 2007 में आई सुपरहिट फिल्म 'तारे ज़मीन पर' का सीक्वल है। इस फिल्म का निर्देशन आर.एस. प्रसन्ना कर रहे हैं और इसमें आमिर के साथ दर्शील सफारी और जेनेलिया देशमुख भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'महाभारत' को लेकर दर्शकों में जो उत्सुकता है, वह आमिर के इस नए कदम के बाद और भी बढ़ गई है। बता दें कि आमिर खान पिछले कुछ समय से अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'महाभारत' को लेकर चर्चा में हैं। इस पौराणिक गाथा पर आधारित फिल्म को लेकर कई तरह की अटकलें और खबरें पहले से ही सामने आती रही हैं।

ज्वेल थीफ: द हाइस्ट बिगिन्स' को लेकर चर्चा में सैफ अली खान

अपनी आगामी फिल्म 'ज्वेल थीफ-द हाइस्ट बिगिन्स' को लेकर अभिनेता सैफ अली खान खासा चर्चा में हैं। सैफ इसके प्रमोशन में पूरी तन्मयता से जुटे हुए हैं। उन्होंने एक और बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे डायरेक्टर राहुल ढोलकिया निर्देशित कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग मुंबई के बल्लार्ड एस्टेट स्थित ग्रैंड होटल के पास शुरू हो चुकी है। सैफ आने वाले कुछ हफ्तों में शहर के अलग-अलग हिस्सों में शूटिंग करते नजर आएंगे। उन्होंने प्रतीक गांधी और दीपक डोबरियाल के साथ एक महत्वपूर्ण सीक्वेंस भी फिल्माया है। माना जा रहा है कि 'ज्वेल थीफ' के प्रमोशनल कमिटमेंट्स पूरे करने के बाद, सैफ पूरी तरह इस नए प्रोजेक्ट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हालांकि फिल्म से जुड़ी जानकारियों को गोपनीय रखा गया है, लेकिन इंडस्ट्री में चर्चा है कि सैफ इस फिल्म में भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन का किरदार निभा सकते हैं। यह फिल्म भारत के पहले आम चुनाव और उस दौर की ऐतिहासिक घटनाओं को उजागर करेगी, जिसमें सेन की भूमिका केंद्रीय होगी। वहीं, 'ज्वेल थीफ-द हाइस्ट बिगिन्स' की बात करें तो यह एक हाई-स्टेक हीस्ट ड्रामा है, जिसमें सैफ रेहान रॉय की भूमिका में हैं, जिसे जयदीप अहलावत का किरदार राजन औलाख 500 करोड़ रुपये के कीमती अफ्रीकन रेड सन हीरे की चोरी के लिए हायर करता है। फिल्म में कुणाल कपूर इंस्पेक्टर विक्रम पटेल, निकिता दत्ता राजन की पत्नी और रेहान की एक्स-गर्लफ्रेंड फराह के किरदार में है। फिल्म में शबाना आजमी, अनुपम खेर, परेश रावल और जैकी श्रॉफ जैसे सशक्त कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म का निर्देशन कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल ने किया है।

पार्टी

रॉकिंग हाउस पार्टी के लिए ऐसे करें तैयारी

पब या क्लब में जाने के बजाय हाउस पार्टी ज्यादा मजेदार होती है। इसमें बस आप होते हैं और आपका गैंग, आप जैसा दिल चाहे म्यूजिक सुन सकते हैं और चाहे जितनी तेज आवाज में। जहां हाउस पार्टी बेहद रिफ्रेशिंग होती है वहीं इसकी प्लानिंग ऐसी होनी चाहिए कि हर कोई बढ़िया टाइम स्पेंड करे। यहां हैं रॉकिंग हाउस पार्टी के लिए कुछ टिप्स...

अलग-अलग मूड के हिसाब से तय करें प्लेलिस्ट

पार्टी को सक्सेसफुल बनाने के लिए म्यूजिक सबसे इंपॉर्टेंट फैक्टर होता है। अगर लोगों को म्यूजिक पसंद आता है तो तुरंत उनका मूड बन जाता है। इसलिए यह ध्यान रखें कि आपकी प्लेलिस्ट में पर्याप्त गाने हों वो भी अलग-अलग कैटेगरी के। इससे आपको पार्टी के मूड के हिसाब से प्लेलिस्ट चेंज करने में आसानी रहेगी। स्पीकर्स अच्छे रखें ताकि बढ़िया इफेक्ट मिल सके।

लिमिटेड लोगों को ही बुलाएं

आप जिनको बुलाना चाहते हैं उनकी गेस्ट लिस्ट बनाएं और यह लिस्ट अपने घर के स्पेस को ध्यान में रखते हुए बनाएं। किसी को ऐसी पार्टी पसंद नहीं आती जहां खड़े होने, बैठने या डांस करने की जगह न हो। इसलिए समझदार बनें और कुछ ही लोगों को पार्टी में बुलाएं। कई बार लोग अपने साथ किसी को ले आते हैं तो आप इस चीज के लिए भी तैयार रहें।

पहले से करें मेन्यू डिसाइड

जबकि हममें से ज्यादातर लोग ऐसा करते हैं, यह जरूर ध्यान रखें कि कहीं आपके गेस्ट्स को किसी चीज से एलर्जी तो नहीं। कई लोग ग्लूटेन, मीट, डेयरी वगैरह नहीं खाते। जंक फूड की जगह हेल्दी फूड प्रिफर करें।

एक पार्टी कॉकटेल रखें

भले ही आप अपनी पार्टी के लिए कुकिंग न करें लेकिन घर पर एक फन कॉकटेल जरूर बनाएं। देखें कि सबसे पसंद किया जाने वाला एल्कोहॉल कौन सा है, इसे कॉकटेल के बेस की तरह यूज करें। पार्टी के पहले एक-दो बार यह ड्रिंक ट्राई करके ले लें। अगर लोगों को यह पसंद आता है तो वे यह पार्टी जरूर याद रखेंगे।

कुछ फन गेम्स की तैयारी करें

यह सबसे जरूरी है कि हर कोई आपकी पार्टी को एंजॉय करे। अगर गेम्स के लिए कुछ चीजों की जरूरत पड़े तो पहले से ही प्लान कर लें। साथ ही गेम के विनर को छोटा गिफ्ट भी दें। इससे आपकी पार्टी में जान आ जाएगी। आप ट्रुथ ऐंड डेयर, हाउजी या ड्रिंकिंग गेम जैसे नेवर हैव आई एवर जैसे गेम्स रख सकती हैं।

घर पर कैसे करे हेयर स्पा

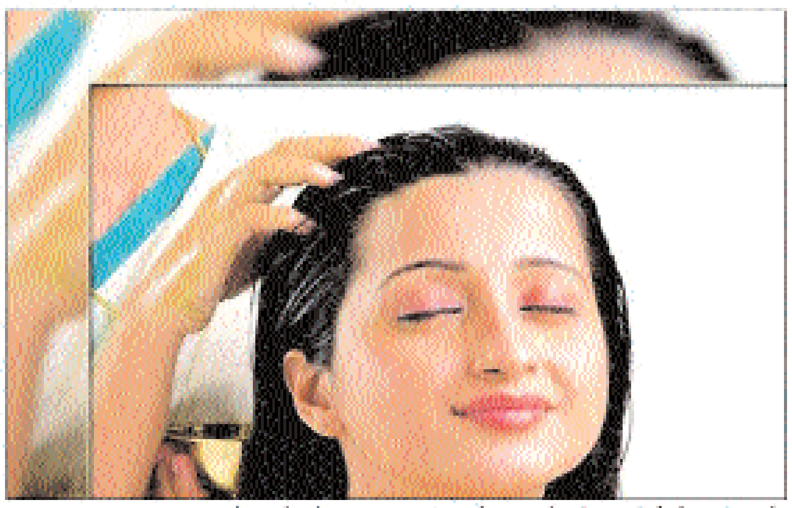

आजकल हर महिला अपने बालों को सुन्दर बनाना चाहती है। इसलिए बालों की सुंदरता को बनाये रखने के लिए कई तरीके अपनाती हैं। बालों को सुन्दर बनाने के लिए सिर्फ शैम्पू और कंडीशनर काफी नहीं है। बालों को सुन्दर बनाने के लिए उनके टेक्सचर और शाइनिंग के लिए हमें कुछ ज्यादा करना पड़ेगा। हेयर स्पा इसका सबसे अच्छा तरीका है, पर हेयर स्पा का खर्च हर किसी के लिए उचित नहीं है। हम आपको बताएंगे के आप घर पर ही हेयर स्पा कैसे कर सकते हैं।

तेल की मालिश

तेल की मालिश करने से हमारे बालों की रूसी खत्म होती है। और बाल रूखे नहीं होते। तेल की मालिश करने से बालों को नमी मिलती है जो बालों को रूखा होने से रोकती है। पर तेल की मालिश के साथ ये भी जरूरी है के मालिश के लिए कौनसा तेल इस्तेमाल किया जावे। बादाम और नारियल का तेल बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद है। तेल की मालिश करते वक्त ये ध्यान रखे की तेल बालों में एक-एक जड़ में अच्छे से लगे और इसी तरह बालों की 15 से 20 मिनट तक मालिश करें।

बालों को भाप

बालों को भाप देने से बालों की सुंदरता बढ़ती है। बालों को भाप देने के लिए एक बड़े बर्तन में पानी को गर्म करें गर्म पानी में तौलिये को भिगो लें और गर्म पानी से भीगे तौलिये को अपने सिर पर रखें। बालों को भाप देने से बालों की जड़ों के छिद्र खुल जाते हैं और तेल एक-एक जड़ में अच्छे से जाता है। इसके अलावा अगर आपके पास भाप देने की मशीन है तो आप उसका भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बालों को करें शैम्पू

वैसे तो ये सब तरीको में से सबसे आसान तरीका है। पर इससे बालों में शाइनिंग आती है। अब आप अपने बालों को शैम्पू से धो लें। पर बालों के लिए माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करें।

कंडीशनर करें

बालों को शैम्पू करने के बाद बालों को हल्के-हल्के हाथों से पोंछ लें। और फिर बालों में कंडीशनर लगाएं। बालों में 3 से 4 मिनट कंडीशनर लगाने के बाद इसे धो लें।

हेयर मास्क

हेयर स्पा का आखरी स्टेप है हेयर मास्क। वैसे तो आप हेयर मास्क बाहर से भी खरीद सकते हैं। पर अगर आप चाहें तो घर में बने हुए नेचुरल हेयर मास्क का भी उपयोग कर सकते हैं जैसे अंडे का हेयर मास्क या नारियल और गुलाब का हेयर मास्क।

हेयर स्पा करने के लाभ

1. हेयर स्पा करने से बालों की रूसी खत्म होती है।
2. हेयर स्पा करने से बालों का झड़ना कम होता है।
3. हेयर स्पा करने से बाल सुन्दर होते हैं और उनमें शाइनिंग आती है।
4. हेयर स्पा करने से बालों को पूरा सम्पूर्ण पोषण मिलता है।

स्वास्थ्य

महिलाओं को हर उम्र में स्वस्थ रहना है तो लें आयरन और विटमिन

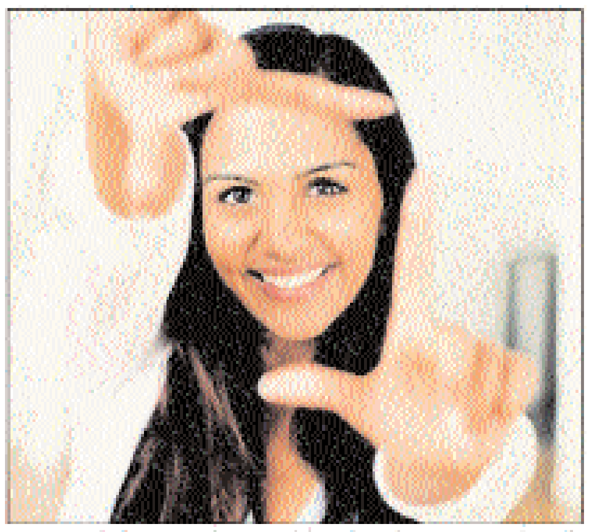

महिलाओं में जरूरत से ज्यादा होने वाले हार्मोनल बदलाव से उनके शरीर में अक्सर पोषक तत्वों की कमी हो जाती है जिन्हें दूर करना जरूरी होता है। ऐसा न होने पर महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी इसका बुरा असर पड़ने लगता है। ऐसे में अगर महिलाएं हर उम्र में स्वस्थ रहना चाहती हैं तो उन्हें इन चीजों का सेवन करना चाहिए...

आयरन की कमी न हो

महिलाओं के शरीर में खून की कमी का प्रमुख कारण आयरन की कमी है। आयरन दिमाग और मांसपेशियों तक ऑक्सिजन पहुंचाता है। 19-50 साल की महिलाओं में इस तत्व का अभाव ज्यादा होता है। खासकर बढ़ती उम्र और प्रेग्नेंसी के दौरान इस तत्व की खपत मांसपेशियों, हड्डियों व अन्य कोशिकाओं द्वारा बढ़ जाती है। ऐसे में इसकी कमी से थकान, सिरदर्द, त्वचा की रंगत में बदलाव, भूख बढ़ना या घटना, हाथ पैरों में दर्द, सांस लेने में दिक्कत होने लगती है।

विटमिन डी की कमी

ज्यादातर महिलाओं को दूध पीना पसंद नहीं होता। साथ ही वे घर से बाहर निकलते समय हाथों में दस्ताने व मुंह पर स्कार्फ बांध लेती हैं ऐसे में उन्हें विटमिन-डी नहीं मिलता। कैल्शियम को अब्जॉर्ब करने में विटमिन-डी अहम है। इसकी कमी से इम्यूनिटी घटने लगती है।

विटमिन-बी2 की कमी

आयरन की कमी से राइबोफ्लेविन (विटमिन-बी2) तत्व की कमी होना सामान्य है। यह ऐसा ऐंटि-ऑक्सिडेंट है जो पाचनतंत्र व त्वचा को सेहतमंद रखता है। युवावस्था व इससे ज्यादा उम्र वाली महिलाओं को रोज 1 मिलीग्राम राइबोफ्लेविन की जरूरत पड़ती है। इसकी कमी से आंखों में जलन व आसपास खुजली होती है। चेहरे, होंठ, मुंह के आसपास त्वचा फटने लगती है।

ओमेगा-थ्री फैटी ऐसिड

सेहतमंद हृदय से लेकर दिमाग के सही काम और स्वस्थ आंखों के लिए ओमेगा-3 फैटी ऐसिड जरूरी होता है। इसकी कमी से जोड़ों में दर्द, कलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ना, तनाव, अस्थमा, कमजोर याद्दाश्त जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

तन मन को रखना तरोताजा तो बदल दीजिए अपना डाइट चार्ट

मस्तिष्क में मौजूद सेरोटोनिन, डोपामाइन जैसे तत्वों का हमारे मूड से गहरा संबंध होता है और जिस डाइट से इन्हें बनने में मदद मिलती है, उनका सेवन हमारे मूड को तरोताजा रखता है.

आजकल किसी के मूड के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता. कोई भी एक पल में गुस्सा तो कभी भावुक हो जाता है और अकसर तनाव की स्थिति बनती है. अगर आपका मूड भी कुछ ऐसा ही है तो आपको अपने डाइट पर ध्यान देने की जरूरत है. कई शोधों में यह बात अब प्रमाणित हो चुकी है कि विटामिन्स बी, मिनिरल्स आदि से भरपूर कुछ ऐसी डाइट हैं, जिनके सेवन से आपका मूड बेहतर होता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं.

अखरोट: अखरोट में ओमेगा 3 फैटी एसिड और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन के स्तर को तेजी से बढ़ाता है. इसके सेवन से न सिर्फ तनाव दूर होता और आप अच्छा महसूस करते हैं, बल्कि नकारात्मकता दूर होती है और नींद भी अच्छी आती है.

शकरकंद: शकरकंद में कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में होता है जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे मूड अच्छा रहता है और नींद अच्छी आती है.

दही: दही कैल्शियम का प्रमुख स्रोत है जिसके सेवन से मूड तरोताजा हो जाता है. खासतौर पर महिलाओं के लिए इसका सेवन और भी फायदेमंद है, क्योंकि यह मासिक धर्म के दौरान उनके व्यवहार में आने वाली झुंझलाहट को कम करता है. यह मासिक धर्म के दौरान उनके शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव और एस्ट्रोजेन- प्रोजेस्टेरोन के संतुलन को बनाए रखता है.

केला: केला जितना खाने में सुपाच्य है, उतना ही मूड को तरोताजा करने के लिए जरूरी है. इसमें कार्बोहाइड्रेट्स के अलावा पोटैशियम, विटामिन बी 6 और मैग्नीशियम अच्छी मात्रा में होता है. रोज सुबह नाश्ते में केला खाने से दिन भर मूड अच्छा रहता है.

रेसिपी

चीज़वाले बैंगन

सामग्री

200 मिली ऑलिव ऑयल, 2 बड़े बैंगन गोल स्लाइसेज में कटे, स्वादनुसार नमक, 200 ग्राम आटा, 400 मिली टोमैटो सॉस, 300 ग्राम मोजारेला चीज, 8 स्पून पारमेजान चीज, 8 स्पून ब्रेडक्रम्स, बारीक, 2 स्पून पार्सले बारीक कटा. **टोमैटो सॉस के लिए:** 1 किलो टमाटर, 1 स्पून नमक, ½ कप तुलसी पत्ते, बारीक कटे, 1 स्पून काली मिर्च, ताजी पिसी हुई, 2 स्पून ऑलिव ऑयल, 2 स्पून लहसुन

विधि

टोमैटो सॉस बनाने के लिए: टमाटरों को थोड़ी देर उबलते पानी में डाल दें (ब्लांच करें)। अब इनके छिलके उतारकर छोटे टुकड़ों में काट लें और मिक्सर में ब्लेंड कर चिकना मिश्रण तैयार कर लें। धीमी आंच पर इसे तब तक पकाएं, जब तक कि यह गाढ़ा न हो जाए। नमक, तुलसी के पत्ते और काली मिर्च डाल दें। दूसरे पैन में ऑलिव ऑयल गर्म करें और इसमें लहसुन को सुनहरा होने तक भून लें। इसे टोमैटो सॉस के ऊपर डालें और फिर अच्छी तरह मिलाएं। **बैंगन पकाने के लिए** : एक पैन में ऑलिव ऑयल गर्म करें। बैंगन के टुकड़ों में नमक और आटा बुरक कर इसे पैन में सुनहरा होने तक भून लें। फिर पलट कर दूसरी तरफ भी भूनें। अतिरिक्त ऑलिव ऑयल निथार लें। पहले से तेल लगाकर रखे हुए गहरे बेकिंग पैन में टोमैटो सॉस, मोजारेला चीज व पारमेजान चीज की पर्त बिछाकर बैंगन की एक स्लाइस रखें। फिर सॉस व चीज की पर्त लगाकर दूसरी स्लाइस रखें और यही प्रक्रिया दोहराते जाएं। पार्सले व ब्रेडक्रम्स को मिलाकर बैंगन के सबसे ऊपरी हिस्से की पर्त बनाएं. गर्म ग्रिल में इसे तब तक बेक करें, जब तक कि इसकी ऊपरी पर्त सुनहरी न दिखने लगे और चीज़ के बुलबुले न बनने लगें। चीज़वाले बैंगन तैयार है।

देसी फ्राइड राइस

सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 1 1/2 टेबलस्पून लहसुन का पेस्ट, 2 अंडे, 50ग्राम गाजर, कटा हुआ, 50 ग्राम पत्ता गोभी, कटी हुई, 50ग्राम फ्रेंच बीन्स, कटी हुई, 500 ग्राम पका हुआ चावल, 1 1/2 टेबलस्पून नमक, 30 मिली वेजेटेबल स्टॉक, 3 से 4 बड़े चिली?, 1 टेबलस्पून काली मिर्च पाउडर, स्प्रिंग अनियन, सजाने के लिए

विधि

पैन में तेल गर्म करें, लहसुन पेस्ट, अंडे, गाजर और पत्ता गोभी को भूनें। इसमें फ्रेंच बीन्स डालें। अंडे के पकने और सब्जियों के नर्म होने तक चलाते रहें। चावल डालें और अच्छी तरह मिलाएं। नमक, वेजेटेबल स्टॉक, चिलीज और काली मिर्च डालें। स्प्रिंग अनियन से सजाएं।

दुपट्टे को स्टाइल में कैरी कर बदलें लुक

भारतीय वेशभूषा में एक चीज आपको सबसे अलग दिखेगी, वह है दुपट्टा। दुपट्टा कभी मां का आंचल बनता है तो कभी प्रेमिका के प्यार का प्रतीक। दुपट्टा को लहंगे और साड़ी के अलावा जींस के साथ भी वियर किया जाने लगा है। आपको बता दें कि आप दुपट्टे को अलग-अलग तरह से इस्तेमाल कर भी अपना लुक बदल सकती हैं। कई बार तो यह भी देखा गया कि पूरा ड्रेस चाहे वह सलवार कमीज हो लहंगा वह बिलकुल सिंपल एंड प्लेन है मगर दुपट्टा अच्छा खासा वर्क करा हुआ है। आप चाहें तो दुपट्टे को कंधे पर एक तरफ कैरी कर सकती हैं।

इस तरह से आप सिर्फ अपने ड्रेस को ही नहीं बल्कि अपने फीगर को भी फ्लॉन्ट कर सकती हैं। दुपट्टे को चाहे तो आप दोनों शोल्डर्स पर कैरी कर सकती हैं। इसे प्लेट्स बना कर या फ्री स्टाइल में पहना जा सकता है। दुपट्टे का आधा हिस्सा आगे रख कर पीछे वाला हिस्सा अपने कम्फर्ट के हिसाब से लहंगे के साथ पिन अप भी किया जा सकता है। यदि आपका ड्रेस बहुत हैवी है तो दुपट्टे को गले में कैरी करें। दुपट्टे को चाहें तो कलाइयों पर भी कैरी किया जा सकता है। डीप नेक चोली के साथ ऑफ शोल्डर स्टाइल में दुपट्टा पेयर करें। दुपट्टे को डीप यू शेप देते हुए शोल्डर्स पर पिन अप करते हुए पीछे से फ्री छोड़ दें। इस स्टाइल को शिफॉन के साथ कैरी ना करें। इस स्टाइल में दुपट्टे को तभी कैरी करें जब उसका वर्क हैवी या कुछ डिफरेंट हो।

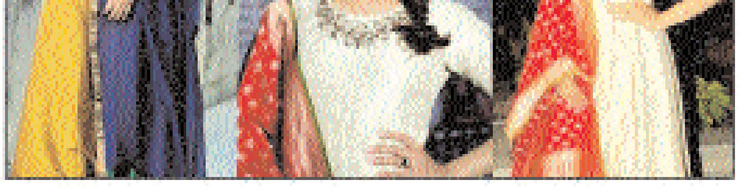

विंध्यवासिनी मंदिर रोड एवं नाले की नियमित सफाई की मांग

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। तेजाजी चौक से विंध्यवासिनी मंदिर वाले रोड एवं नाले की नियमित सफाई को लेकर श्री विंध्यवासिनी शक्तिपीठ संस्थान के सदस्यों द्वारा नगर पालिका बिजौलिया के अधिशाषी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया कि गोविंद सागर तालाब में स्थित बिजासन माताजी के मंदिर में लकवा के सैकड़ो रोगी हमेशा रहते हैं। पूर्व पंचायत द्वारा गंदे पानी की निकासी हेतु गोविंद सागर तालाब तक एक नाला बनाया हुआ है जिससे सारी गंदगी तालाब में जाकर गिरती हैं। तेजाजी का चौक स्थित होटल वाले, कचोरी-समोसे के ठेले वाले, एवं दुकानदार चाय पानी की डिस्पोजल, दौने व कचरा भी इस स्थान पर डालते हैं ।गन्दगी की वजह से इस मंदिर में लकवा रोगी एवं अन्य श्रद्धालुओं का सड़ांध के कारण जीना दुभर हो जाता हैं। वर्तमान मंदिर कमेटी के सदस्यों द्वारा अपनी निजी आय से इस स्थान पर नाले एवं सारी गंदगी को हटवाकर सफाई करवाई गई हैं। कमेटी के सदस्यों ने नगरपालिका से मांग की है कि सभी होटल मालिकों,कचोरी-समोसे वालों एवं अन्य दुकानदारों को पाबंद किया जाकर उक्त नाले एवं स्थान की सफाई नियमित रूप से करवाई जाए। संस्थान अध्यक्ष छीतर लाल प्रजापत, कोषाध्यक्ष शक्ति नारायण शर्मा, सचिव गोपाल सोनी, व्यवस्थापक बालमुकुंद गौड़ व कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

सेल्फी विथ परिंडा अभियान का कुचामन में भव्य शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) गर्मियों में पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था और समाज में पर्यावरण व जीवदया के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजकीय जिला चिकित्सालय परिसर कुचामन सिटी में सोशल मीडिया ग्रुप अपना। समाज 2018 कुचामन नावा द्वारा "सेल्फी विथ परिंडा" अभियान का उत्साहपूर्वक शुभारंभ किया गया।इस कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुचामन सिटी केउपखंड अधिकारी सुनील कुमार चौधरी ने फीता काटकर की। अध्यक्षता डॉ. वी के गुप्ता ने की। अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय परिसर में परिंडे लगाकर इसकी शुरुआत की गई। उपखंड अधिकारी सुनील चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि "यह केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं, बल्कि समाज को प्रकृति और पक्षियों के प्रति दायित्वबोध की प्रेरणा देने वाला कार्य है इस दौरान विशिष्ट अतिथि राजकुमार फौजी (अध्यक्ष, शिव मंदिर समस्त कुम्हारान पंचायत ट्रस्ट), रामदेव सिहोटा, डॉ. सत्यनारायण कुम्हार, नेहपाल सिंह, लायन राम काबरा, डॉ. शकील अहमद ने परिंडों में पानी डालकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बी. एल. कुमावत, चैनाराम मारवाल (नावा), मदनलाल जेठीवाल, कमलेश कुमावत, राधेश्याम कारगवाल, लक्ष्मीनारायण छापरवाल, पार्षद तुलसीराम कुमावत, ओमप्रकाश जेठीवाल,लक्ष्मण मारोठिया, प्यारेलाल कुमावत, योगेश कुमार सिरस्वा, माया कुमावत, मांगीलाल ,केड इंडेक्स इंटीरियर डिजाइनर टीम एवं अपना समाज ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सेल्फी स्टैंड व रंग बिरंगे परिंडे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे,लोग परिंड़ों के साथ सेल्फी लेते दिखे। डॉ. वी के गुप्ता ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि "पक्षियों की सेवा के लिए उठाया गया यह कदम वास्तव में मानवता का परिचायक है।

यह रही 300 शब्दों में तैयार की गई न्यूज रिपोर्ट

सीएमएचओ डॉ. हंसराज भदालिया ने चिकित्सा संस्थानों का किया निरीक्षण, हीटवेव तैयारियों का लिया जायजा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. हंसराज भदालिया ने शनिवार को उप जिला अस्पताल चाकसू, पीएचसी शिवदासपुरा व बीलवा समेत विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने हीटवेव से संबंधित तैयारियों और मौसमी बीमारियों के उपचार हेतु की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डॉ. भदालिया ने अस्पतालों में कूलर, पंखे, स्वच्छ पेयजल, आपातकालीन किट, ओआरएस एवं साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था का जायजा लिया। चाकसू अस्पताल के वार्डों का निरीक्षण करते हुए भर्ती मरीजों से चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। एक वार्ड में खराब कूलर पाए जाने पर तत्काल जंबो कूलर लगाने के निर्देश दिए। डीडीसी स्टोर का निरीक्षण कर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। पीएचसी चंदलाई में निरीक्षण के दौरान चिकित्सक अनुपस्थित मिलने पर डॉ. दीपक शर्मा को तत्काल वहां उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए। साथ ही वार्ड बॉय की कमी को देखते हुए शिवदासपुरा से सप्ताह में एक दिन वार्ड बॉय लगाने के आदेश भी दिए गए। डॉ. भदालिया ने डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, स्क्रब टाइफस व स्वाइन फ्लू जैसी बीमारियों की रोकथाम हेतु विशेष सावधानी बरतने और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्मिकों को गणवेश में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कर चिकित्सा सेवाओं को निर्बाध जारी रखने के भी निर्देश दिए।

शासन सचिव कृषि व उद्यानिकी ने कृषि उपज मण्ड़ी सीकर रोड, जयपुर का किया निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शनिवार को कृषि उपज मण्ड़ी समिति (अनाज) सीकर रोड, जयपुर का भ्रमण कर मण्ड़ी कार्यालय, एसेयिंग लैब, किसान कलेवा योजना के संचालन, मण्ड़ी व्यवस्थाओं, सार्वजनिक सुविधाओं, आधारभूत संरचनाओं, मंडी प्रांगण में नीलामी प्रक्रिया एवं मंडी प्रांगण में स्थित कृषि प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण किया। प्रमुख शासन सचिव ने मण्ड़ी कार्यालय का निरीक्षण कर नियमन एवं ई-नाम व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साथ ही मण्ड़ी प्रवेश पत्र, मण्ड़ी समिति द्वारा बही प्रमाणीकरण, कृषक कल्याण शुल्क जमा कराने आदि प्रक्रियाओं की जानकारी मण्ड़ी प्रशासन से ली। उन्होंने मण्ड़ी प्रांगण में वाहनों के आवागमन, पार्किंग व्यवस्था, अनाज नियमन व्यवस्था, व्यवसायियों एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मण्ड़ी में साफ-सफाई, रोशनी एवं पेयजल आदि व्यवस्थाओं का अवलोकन कर सुविधाऐं बेहतर रखने हेतु मण्ड़ी अधिकारियों को निर्देशित किया। किसान कलेवा योजना में प्रतिदिन भोजन करने वाले पल्लेदारों व हम्मालों की कूपन व्यवस्था को और अधिक सुचारु करने, प्रतिदिन का रजिस्ट्रेशन संधारित करने और इस योजना का लाभ लेने वालों सहित अन्य पल्लेदारों व हम्मालों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। शासन सचिव ने नीलामी प्रक्रिया का निरीक्षण कर व्यापारियों को ई-नाम से जोड़ने, ट्रेंड करने, ई- पेमेंट करने व योजना के क्रियान्वयन में आ रही परेशानियां को दूर करने हेतु मंडी समिति के अधिकारियों से कहा। उन्होंने ई-नाम व्यवस्था के अंतर्गत ग्रेन मोरफ़ोलॉजी मशीन से प्राप्त परिणामों में कृषि जींस की ग्रेड निर्धारित करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा। राजन विशाल ने कृषि प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण कर इकाई की कार्य प्रणाली, उपयोग में आने वाली जिंसों का निरीक्षण किया तथा प्रसंस्करण करता को राजस्थान सरकार व केंद्र सरकार की अन्य योजना का लाभ दिलाने हेतु मंडी सचिव को निर्देशित किया। उन्होंने समस्त मंडी अधिकारियों व कर्मचारियों को जनहित में तत्पर रहते हुए ईमानदारी के साथ समयबद्ध कार्य करने के लिए कहा। इस दौरान क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक, खंड जयपुर महिपाल सिंह, सचिव, राजधानी कृषि उपज मंडी (अनाज) भगवान सहाय जाटवा सहित अन्य मंडी अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत पारेवडा
पंचायत समिति बीदासर

क्रमांकः 08-15 दिनांक- 25.4.2025

ई निविदा सूचना संख्या 02 (वित्तीय वर्ष 2025-26)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पारेवडा के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नालियों की सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुकजी.एस.टी.पंजीकृत निविदादाताओं / फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म / शर्तें कार्यालय में तथा SPPP पोर्टल पर उपलब्ध है।

क.सं.	बोली का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू मे	बोली प्रतिभूमि राशि (रू में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये) में	बोली प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड शुरू करने की प्रारम्भ दिनांक एवं समय	प्रोसोसिंग शुल्क निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा खोलने कि तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	घर-घर कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण एवं नाली सड़क व सामूदायिक स्वच्छता परिसर ग्राम पारेवडा 05 माह	887560	17752	500	दिनांक 26.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 3.5.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 3.5.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 3.5.2025 साय 4.00 बजे

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदा शुल्क, अमानत राशि का डी.डी./ बैंकर चैक एवं अन्य वांछित दस्तावेज निविदा के साथ संलग्न करने होंगे ।
2. निविदा आमंत्रण की विस्तृत सूचना मय बोली दस्तावेज ग्राम पंचायत पारेवडा कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखा व प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा प्रपत्र शुल्क व अमानत राशि का डी. डी. / बैंकर चैक प्रशासक ग्राम पंचायत पारेवडा के नाम बनाना होगा।
4. किसी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित है।
5. बोलीदाता / संवेदक बंद लिफाफे पर ग्राम पंचायत पारेवडा का नाम लिखकर एवं टेण्डर की कॉपी नियमानुसार कार्यालय ग्राम पंचायत पारेवडा कार्यालय में जमा करावें ।

NIB code ZCR2526A0108 UBN is: ZCR2526WSOB00241

प्रशासक
ग्राम पंचायत पारेवडा
पं. स. बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पारेवडा
पं. स. बीदासर (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत कातर छोटी
पंचायत समिति बीदासर

क्रमांकः 20-26 दिनांक- 22.3.2023

ई निविदा सूचना संख्या 04 (वित्तीय वर्ष 2025-26)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कातर छोटी के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नालियों की सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुकजी. एस. टी. पंजीकृत निविदादाताओं / फर्मों से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म / शर्तें कार्यालय में तथा SPPP पोर्टल पर उपलब्ध है।

क.सं.	बोली का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू मे	बोली प्रतिभूमि राशि (रू में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये) में	बोली प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड शुरू करने की प्रारम्भ दिनांक एवं समय	प्रोसोसिंग शुल्क निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा खोलने कि तिथी व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	ग्राम शिवपुरी के गावों में घर-घर (आवासीय एवं व्यवसायिक) से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई सहित कार्य	701094	14022	500	दिनांक 23.4.2025 से साय 6.00 बजे सें दिनांक 30.4.2025 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 30.4.2025 समय 02.00 बजे	दिनांक 30.4.2025 साय 4.00 बजे

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा http://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदा शुल्क, अमानत राशि का डी.डी./ बैंकर चैक एवं अन्य वांछित दस्तावेज निविदा के साथ संलग्न करने होंगे ।
2. निविदा आमंत्रण की विस्तृत सूचना मय बोली दस्तावेज ग्राम पंचायत कातर छोटी कार्यालय से व्यक्तिशः अथवा राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखा व प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा प्रपत्र शुल्क व अमानत राशि का डी. डी. / बैंकर चैक प्रशासक ग्राम पंचायत कातर छोटी के नाम बनाना होगा।
4. किसी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित है।
5. बोलीदाता / संवेदक बंद लिफाफे पर ग्राम पंचायत कातर छोटी का नाम लिखकर एवं टेण्डर की कॉपी नियमानुसार कार्यालय ग्राम पंचायत कातर छोटी कार्यालय में जमा करावें ।

NIB code ZCR2526A0111 UBN is: ZCR2526WSOB00244

प्रशासक
ग्राम पंचायत कातर छोटी
पं. स. बीदासर (चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कातर छोटी
पं. स. बीदासर (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत गोरीसर पंचायत समिति, रतनगढ

कमांक- 02 दिनांक- 29-04-2025

खुली निविदा सूचना

राजस्थान पंचायत राज नियम 1996 के नियम 181 (1) के अन्तर्गत निम्न कार्यों को करवाये जाने के लिए पंचायती राज विभाग सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनो में पंजिकृत सक्षम श्रेणी के संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में खुली निविदा आमंत्रित की जाती है

क.स.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाखो में	निविदा प्रपत्र शुल्क रूपयो में	निविदा प्रपत्र प्राप्ति कि तिथि व समय	तकनिकि एवं वित्तिय निविदा प्रस्तुत करने अंतिम की तिथि व समय	निविदा खोलने की तिथि व समय
1	राउमावि के टिन शैड निर्माण कार्य खारिया	3.99970	500	26.4.2024 को प्रातः 11 बजे से 01.05.2024 को सांय 4 बजे तक कार्यालय दिवस में	2.5.2024 को सुबह 11 बजे तक	3.5.2024 दोपहर 3 बजे
2	आंबनबाडी केन्द्र के भवन की मरम्मत व चारदिवारी निर्माण कार्य खारिया	2.50	500			
3	रा उ मा विद्यालय में बालिका हेतु शौचालय पिंक टॉयलेट निर्माण कार्य खारिया	1.38000	500			
4	पानी का GLR निर्माण कार्य मेघवाल मोहल्ला खारिया	3.99000	500			

1. निविदा प्रपत्र प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग कार्यालय में निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि नकद जमा करवा कर प्राप्त किया जा सकेगा।
2. निविदा प्रपत्र की तकनिकी व वित्तिय निविदा अलग-अलग लिफाफो में डालकर फिर दोनों एक लिफाफे में डालकर प्रस्तुत की जानी है
3. निविदा की अमानत राशि की 2 प्रतिशत की डी डी सरपंच ग्राम पंचायत के नाम दय हो, संलग्न करना होगी। अन्य सभी शर्ते कार्यालय समय में देखी जा सकती है व निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न है ।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत गोरीसर
पंचायत समिति, रतनगढ

प्रशासक
ग्राम पंचायत गोरीसर
पंचायत समिति, रतनगढ

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, रविवार
27 अप्रेल, 2025

आतंकी हमले के विरोध में जगह जगह उठे विरोध के स्वर, कैंडल मार्च निकाल दी मृतकों को श्रद्धांजलि

आतंकियों को करारा जवाब देने की मांग को लेकर लोग लामबद

जयपुर टाइम्स

मण्डावा। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि देने और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता प्रकट करने के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से शुक्रवार शाम को कैंडल मार्च निकाला गया। लोगों ने नगर पालिका चौक से सुभाष चौक तक यह मार्च निकाला। मण्डावा नगर पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी ने कहा कि यह कैंडल मार्च केवल श्रद्धांजलि का माध्यम नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और शांति के समर्थन में हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हम इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ हैं। आतंकवाद के खिलाफ समाज को जागरूक करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। कैंडल मार्च में व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजय रामगढ़िया, भाजपाध्यक्ष मोहनलाल सैनी, पार्षद संदीप परिहार, पूर्व पार्षद कैलाश पीपलवा, शिक्षाविद्ध हरलाल सिंह मोगा, दयानंद दूकिया, संघनिष्ठ सज्जनलाल शर्मा, संरपच मुकेश झाझड़िया, जयराम जागिङ बाबूलाल सैनी, आलोक पाटीदार, मधुसुधन स्वामी, सिकन्दर अली, राजू बुड़ानिया, पालिका उपाध्यक्ष नवाब खत्री, राजेश रणजीरोत, मोनू पूनिया सहित सैकडों लोग शामिल हुए।

रतनगढ़। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, व्यापारिक संगठनों व राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता शनिवार की सुबह अशोक स्तंभ के पास एकत्रित हुए और पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए उपखंड मुख्यालय पहुंचे, जहां पर प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार सज्जन कुमार लाटा को ज्ञापन देकर आतंकवादियों व उनका सहयोग करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। व्यापारिक संगठनों के आह्वान पर शहर के बाजार शनिवार को पूर्णरूप से बंद रहे और व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर इस आतंकी घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। बंद से आवश्यक सेवाओं को दूर रखा गया। वहीं शहर में चाय-पान, सब्जी की दुकानों सहित समस्त प्रतिष्ठान बंद रहे, जिससे बाजार शनिवार को सूनसान रहे। शहर के लोगों की ओर से निकाली गई आक्रोश रैली को लेकर पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद दिखाई दिया। वहीं आक्रोशित लोगों की ओर से पाकिस्तान का झंडा जलाकर भी अपना विरोध जताया गया। विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल रहे।

चूरू। जिला मुख्यालय पर इंसानियत एकता सेवा समिति के तत्वावधान में सर्व समाज के लोगों ने झारिया मोरी से सब्जी मंडी होते हुए राणाजी के नोहरे तक कैंडल मार्च निकालकर व दो मिनट का मौन रखकर पहलगाम आंतकी हमले के मृतक पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर लोगों ने आंतकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और आंतकवादियों को सख्त से सख्त सजा देने और आंतकवाद को जड़ से खत्म करने की सरकार से मांग की। इस मौके पर समिति संस्थापक करामत खान ने कहा कि इस कायराना आंतकी हमले से पूरे देश में आंतक के खिलाफ आक्रोश है। मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने कहा कि किसी बेगुनाह इंसान का कत्ल पूरी इंसानियत के कत्ल के बराबर है। इस दौरान समिति उपाध्यक्ष महमूद अली राणा, मोहम्मद अली राणा, जाकिर खान केके , गज़ानंद सैनी, सीताराम सैनी, अनील सैनी सुनील शर्मा, अयूब खान, नौशाद खान, महबूब खान, आवेश कुरैशी, सुलेमान मणियार, फारूक राणा, फारूक चौहान, रफीक चेजारा, युनुस रंगरेज इलियास राणा, रहमान राणा, अलीशेर चेजारा, इमरान रंगरेज आदि मौजूद रहे।

चूरू जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के विरोध में कांग्रेस ने चूरू में कैंडल मार्च निकाला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पंखा रोड से वीरगति स्मारक तक मार्च किया। चूरू के पूर्व विधायक हाजी मकबूल मंडेलिया और कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज खीचड़ ने मार्च का नेतृत्व किया। वीरगति स्मारक पर हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। हाजी मकबूल मंडेलिया ने शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मंडेलिया ने केंद्र सरकार से आतंकवादियों को कड़ा जवाब देने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंद्राज खीचड़ ने केंद्र सरकार से हमले की जवाबदेही तय करने और कड़ी कार्रवाई की मांग की।

चूरू जम्मू कश्मीर के पहलगाम के बैसरन घाटी में पाक समर्थित इस्लामिक आतंकवादियों ने 27 पर्यटकों की निर्मम हत्या करने के विरोध में शनिवार को चूरू के बाजार पूर्णतया शांतिपूर्वक बंद रहे। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के आह्वान पर व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान पूरे दिन बंद रखकर मृतक पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। गढ़ चौराहे पर संगठन के कार्यकर्ताओं व सर्व समाज के लोगों ने इकट्ठा होकर इस्लामिक आतंकवाद और पाकिस्तान का पुतला फूंककर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर विष्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष मेजर विनोद शर्मा ने बताया कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद आतंकवादियों ने पहलगाम घाटी में पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर और कपड़े उतरवाकर मौत के घाट उतार दिया, जिसकी संपूर्ण देश ने निंदा की है। केन्द्र सरकार ने तुरंत संज्ञान लेते हुए पाकिस्तान के साथ हुए सिंधु समझौते को बन्द कर दिया। साथ ही पाकिस्तान के लोगों को 24 घण्टे में भारत छोड़ने के निर्देश भी दिए थे। इस घटना को लेकर चूरू वासियों में भी व्यापक आक्रोश देखने को मिला। इस दौरान जिला संघ संचालक ओम प्रकाश सैनी ने भी आतंकवाद को जमकर कोसा और प्रशिक्षु एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर शहर के अनेक स्थानों पर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। इस अवसर पर हरीश बजाज, महेश गौड़, विनोद राठी, कपिल चंदेल, विनोद औझा, गोपीराम शर्मा, बजरंग दल सह संयोजक कमलेश राव, सुनील भाऊवाला, सुरेश सारस्वत, मुकेश सैन, आशीष चोटिया, राकेश सोनी, प्रदीप सिंह ढ़ाढ़र, विमला शर्मा, किशोर चंदेल सहित बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे।

झुंझुनूं पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में झुंझुनूं शहर पूरी तरह से बंद है। विभिन्न सामाजिक संगठनों के आह्वान पर गांधी चौक सहित मुख्य बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। बंद के दौरान ऑटो और चाय की दुकानें भी बंद है। शनिवार सुबह से ही झुंझुनूं शहर के मुख्य बाजार गांधी चौक, एक नंबर रोड, तीन नंबर रोड, बस स्टैंड, खेमी शक्ति और पीपली चौक इलाके में सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद है। दुकानदारों ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में अपनी दुकानें बंद रखीं और बंद को अपना समर्थन दिया। विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य और आम नागरिक सुबह से ही गांधी चौक पर एकत्रित हुए और उन्होंने आतंकी घटना के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने सरकार से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। बंद के आह्वान के कारण शहर में चलने वाले ऑटो रिक्शा भी सड़कों पर नहीं दिखे। आम लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने में काफी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा। झुंझुनूं नागरिक मंच के संयोजक उमाशंकर महमिया ने बताया कि बंद के दौरान केवल पांच टैक्सियों का ही संचालन किया जा रहा है, जो आपातकालीन चिकित्सा सेवा के तहत निशुल्क सेवाएं प्रदान करेंगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने और बंद के दौरान लोगों की परेशानियों को दूर करने के लिए एक कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। जिसके नंबर 9413567031 और 820902224 हैं । गंभीर बीमार या आपातकाल में फंसे हुए व्यक्ति इन नंबरों पर फोन कर निशुल्क यातायात के लिए संपर्क कर सकते हैं। बंद के दौरान राज्य में शामिल होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 9वीं और 11वीं कक्षा की परीक्षाएं अपने निर्धारित समय पर ही आयोजित की जाएंगी, जिससे विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। झुंझुनूं शहर के सभी समाजों के लोगों ने एकजुट होकर इस बंद को अपना समर्थन दिया, जो पहलगाम की घटना के प्रति उनकी गहरी संवेदना और विरोध को दर्शाता है। सुबह से ही शहर में बंद का व्यापक असर देखने को मिला। शहर में चलने वाले ऑटो चालकों ने भी लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में आतंकवादियों की ओर से पर्यटकों की हत्या के विरोध में शनिवार को सर्व हिंदू समाज के आह्वान पर झुंझुनूं शहर पूर्ण बंद रहा। इस दौरान सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान, शैक्षणिक संस्थान, टैक्सियां और निजी बसें पूरी तरह से बंद रहीं। नागरिक मंच के जिला संयोजक उमाशंकर महमिया, गौ संवर्धन संस्थान के जिलाध्यक्ष प्रवीण स्वामी, भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष कमल कांत शर्मा, विश्व हिंदू परिषद के योगेंद्र कुंडलवाल, जिला मंत्री जयराज जांगिड़, बजरंग दल के सुशील प्रजापति, राजपूत समाज के रविंद्र तोलियासर, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संदीप गोयल, श्री गणेश युवा मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा, हिंदू नागरिक मंच के धर्मेंद्र तंवर और श्री बालाजी व्यायामशाला के सोनू नायक के नेतृत्व में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। सर्व हिंदू समाज के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि विश्वंभर पूनिया , राजेश बाबल, कुलदीप पूनिया, प्रमोद जानू, रामगोपाल महमिया, कैलाश शर्मा (टैक्सी यूनियन), भोपाल सिंह (बस यूनियन अध्यक्ष), सूरजगढ़ गौ विधायक नवीन रामबास, महेश जीनगर, अजीत जखोड़ा, पार्षद संजय पारीक, चंद्र प्रकाश शुक्ला, विजय कुमार सैनी, प्रमोद खंडेलिया, रणवीर झुरिया, पंकज टेलर, जगदीश गोस्वामी, सोनू पुरोहित, एडवोकेट पंकज बावलिया, सुनील प्रधान, नरेंद्र शर्मा, सौरभ पुरोहित, जयकिशन शर्मा, श्रीकांत पंसारी, अनूप गाड़िया, कमल केजड़ीवाल, सौरभ जोशी और विजय शंकर जोशी के आक्रोश रैली निकाली। प्रदर्शन के उपरांत, जिला कलेक्टर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। सैकड़ों हिंदू कार्यकर्ताओं के बीच जिला कलेक्टर रामावतार मीणा स्वयं कलेक्ट्रेट के समक्ष नीचे आकर ज्ञापन स्वीकार किया। ज्ञापन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दोषी आतंकवादियों, षड्यंत्रकर्ताओं और उनके आका पाकिस्तान के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग की गई। बंद समिति के उमाशंकर महमिया ने बताया कि झुंझुनूं में यह पहला ऐतिहासिक बंद रहा, जिसमें मुस्लिम समाज का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने बताया कि मुस्लिम समाज के प्रतिष्ठान भी पूरी तरह से बंद रहे और उन्होंने बैठक करके बंद का समर्थन किया था। इस अवसर पर विजेंद्र हतवाल, दीपक शर्मा, शम्भू नेहरा, दीपक स्वामी, गोपाल शुक्ला, ख्यालीराम कुमावत, विनोद जांगिड़, अमर सिंह बाकोलिया, भरत पुरोहित, धीरज हिसारिया, पुनीत पुरोहित, वेद प्रकाश महंसरीया, सुरेंद्र बंशीवाल सहित बड़ी संख्या में सर्व हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहे।

ऐच्छिक विषय कंप्यूटर स्वीकृति पर ग्रामीणों में खुशी की लहर

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू/बगड़। झुंझुनू विधानसभा क्षेत्र के ग्राम इस्लामपुर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कंप्यूटर ऐच्छिक विज्ञान की स्वीकृति मिली है। जिससे ग्रामीण काफी प्रसन्न है और उत्साहित नजर आ रहे हैं। इसके लिए ग्रामीणों ने अपने विधायक राजेंद् भांबू का खुले मन से आभार जिताया तथा खूब प्रशंसा की। इसी अवसर पर ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल सौरभ योगी व सुनील शर्मा के नेतृत्व में विद्यालय पहुंचा, जिन्होंने विद्यालय के प्रधानाचार्य रामकृष्ण महरिया, कृष्णानंद शर्मा व समस्त स्टाफ को मिठाई खिलाकर खुशी का प्रदर्शन किया और विद्यालय के प्रति विधायक के सहानुभूति पूर्वक दृष्टिकोण से अवगत करवाया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ और अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने विधायक को बार-बार धन्यवाद दिया।

जिला चिकित्सालय में टाइप 1 डायबिटीज क्लिनिक शुरू

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ के राजकीय जिला चिकित्सालय में राज्य सरकार की बजट घोषणा व उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार "मिशन मधुहारी" के तहत टाइप 1 डायबीटिक क्लिनिक का शुभारंभ किया गया। जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ अटल भास्कर ने बताया कि मिशन मधुहारी के तहत टाइप 1 डायबिटीज के मरीजों के लिए प्रत्येक शुक्रवार को डायबिटीज क्लिनिक का संचालन किया जाएगा राज्य सरकार की तरफ से प्रत्येक मरीज को प्रतिमाह एक निशुल्क ग्लूकोमीटर, 100 शुगर स्ट्रिप्स, लैंसेट और शुगर मॉनिटरिंग के लिए बुकलेट्स

प्रदान किए जाएंगे तथा रजिस्ट्रेशन और जांच के बाद इलाज में सहायता प्रदान की जाएगी। जिला चिकित्सालय के टाइप 1 डायबिटीज क्लिनिक नोडल प्रभारी कनिष्ठ विशेषज्ञ डॉ विमल कुमार की ओर से जानकारी दी गई कि टाइप 1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून रोग है जिसमें शरीर में इंसुलिन का उत्पादन बंद हो जाता है, जिसके लिए नियमित इंसुलिन लेना आवश्यक है। इस अवसर पर चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने टाइप 1 डायबिटीज के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मरीजों को उचित इलाज प्रदान करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पीएमओ डॉ अटल भास्कर , उपनियंत्रक डॉ शीशराम, सह नोडल प्रभारी टाइप 1 डायबिटीज क्लिनिक झाबर मल सेवदा अन्य चिकित्सक व नर्सिंग अधिकारी उपस्थित रहे।

लाहोरा के राष्ट्रीय महासचिव बनने पर प्रसन्नता जताई

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। महाराष्ट्र के नागपुर में शनिवार को अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन का अधिवेशन हुआ। इस दौरान यूनियन के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष डॉ. कैलाश किशन लाहोरा का प्रमोशन करते हुए राष्ट्रीय महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति यूनियन

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चरणसिंह टांक की ओर से की गई है। लाहोरा की नियुक्ति पर उदयपुर सिटी के मदनलाल खोकर, पीएल जैदीया अलसीसर, रमेश ढेण्ढ़वाल, गोपाल सर्वटे, राजेश रति, निम्बाहेडा, छीतरमल घेघट भीलवाडा, दूलीचन्द सिगोंर कोटा, दीनदयाल नरवाल कोटा सैकडों कार्यकर्ता - पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चरणसिंह टांक का आभार जताया है।

जिला चिकित्सालय में फायर सेफ्टी सप्ताह में गतिविधियां

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग भारत सरकार के निर्देशानुसार लक्ष्मणगढ़ जिला अस्पताल में 21 से 26 अप्रैल तक फायर सेफ्टी गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ अटल भास्कर ने बताया कि संस्थान में आगजनी की घटनाओ की रोकथाम, सुरक्षा की जानकारी बढाने, तैयारी करने व अग्निसुरक्षा के मानको की पालना सुनिश्चित करने के उद्वेश्य से इस सप्ताह की थीम एकजुट हो, अग्नि सुरक्षित भारत को प्रज्वलित करें के अंतर्गत संस्थान में फायर माकड्रिल, फायर ऑडिट कर सभी कार्मिको को फायर सेफ्टी प्रतियोगिता मे भाग लेने के लिए निर्देशित किया गया और संस्थान मे आपात स्थिति में आग लगने पर आग बुझाने के लिए समस्त चिकित्सको व कार्मिको को सेफ्टी ईक्युमेन्ट को उपयोग में लेने का प्रदर्शन कर निर्देशानुसार गतिविधियां आयोजित की गई और नर्सिंग अधिकारी मनोज मिश्रा की ओर से अग्निशामक यंत्र को सही तरीके से काम लेने के बारे में सभी कार्मिकों को बताया गया। इस अवसर पर उपनियंत्रक शीशराम, नर्सिंग अधीक्षक सुशील जोशी व अनेक चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी और अन्य कार्मिक मौजूद रहें।

विभिन्न मांगो को लेकर न्यायाधिपति को ज्ञापन सौंपा

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर में अलग से अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय स्थापना सहित विभिन्न मांगो को लेकर तारानगर अभिभाषक संघ ने अभिभाषक संघ अध्यक्ष एडवोकेट निर्मल प्रजापत के नेतृत्व में कुलदीप माथुर न्यायाधिपति राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर संगरक्षक चूरू को ज्ञापन सौंपा। संघ ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि तारानगर के न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में दिसम्बर 2024 के अन्त तक 522 सिविल प्रकरण, 2409 अपराधिक प्रकरण वर्तमान में विचाराधीन है। इसलिए आम जनता को सुलभ न्याय देने के लिए तारानगर में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय की अलग से स्थापना की जाए, तारानगर में स्थायी रूप से अपर जिला व सेशन न्यायाधीश न्यायालय खुल चुका है जिसके लिए भवन निर्माण के लिए बजट दिया जाए। तारानगर में अधिवक्ताओं के लिए चैम्बर व पक्षकारों के लिए विश्राम गृह के लिए बजट उपलब्ध करवाया जावे। ज्ञापन देने वालों में अनिल स्वामी, साजिद खान, इस्पाक अली, सुभाष सहारण, मुकेश शर्मा, भंवरलाल कड़ेला, पंकज स्वापी, प्रमोद शर्मा, आदिल खान, बिलाल अहमद, सूर्यकुमार सहारण आदि उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम

तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के छ न्याति ब्राह्मण महासंघ व राजस्थान ब्राह्मण महासभा के संयुक्त तत्वावधान में भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। महासंघ के अध्यक्ष शंभुदयाल पाडिया व अभिषेक पारीक ने बताया कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर 28 अप्रेल को शाम सवा 7 बजे श्री सप्तर्षि वेद वेदांग ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम में संगीतमय सुन्दरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। 29 अप्रेल को सुबह सवा 7 बजे भगवान परशुराम जी की पूजा अर्चना के साथ ऋषिकुल गोशाला में गोवंश को हराचारा खिलाया जाएगा। इसी दिन सुबह सवा 9 बजे हवन एवं पूजन कार्यक्रम होगा। दोपहर 1 बजे ऋषिकुल के बटुकों को प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में राजस्थान ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष पूनमचन्द पारीक, महासंघ के अध्यक्ष शंभुदयाल पांडिया, अभिषेक पारीक, शंकरलाल उपाध्याय, डॉ बालकृष्ण कौशिक, ओमप्रकाश तिवाड़ी, मुखराम नाथोलिया, सुरेश लाटा, आलोक महर्षि, जुगलकिशोर पारीक, पवन व्यास, एडवोकेट अश्विनी पारीक, डॉ पवन महर्षि, अतुल सेवदा, पार्षद लालबहादुर सेवदा, विनोद जोशी, जीवनराम जोशी, सोहनलाल पारीक, विकास पारीक, भवानीशंकर शर्मा, बजरंग शर्मा, रोहित पारीक, अंजनी नाथोलिया, अरूण देरासरी आदि कार्यकर्ता जुटे हुए है।

एसआई व पीटीआई भर्ती रद्द करने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र कीलक ने कहा है कि प्रदेश सरकार जल्द से जल्द एसआई भर्ती और पीटीआई भर्ती को रदद करे। कीलक ने कहा कि एक हजार लोगों के प्रमाण पत्र यूनिवर्सिटी से फर्जी प्रमाणित होने के भी केवल 250 अभ्यर्थियों के निकाला गया है, जबकि 750 लोगों पर अब तक कार्यवाही का कोई ओर-छोर नहीं है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि जांच एजेंसियों को सभी दोषियों पर कानूनी कार्यवाही करने के लिए बाधित करे। कीलक ने कहा कि जिस प्रकार से एक समाज विशेष के लोगों को भर्ती प्रकरण में प्रताड़ित करने का काम जांच एजेंसियां कर रही हैं, इससे जनता में आक्रोश है। कीलक ने कहा कि जांच एजेंसियां निष्पक्ष रूप से काम करेगी, तभी न्याय होगा। एक ही गांव से 35 लोगों का पीटीआई बन जाना और उस गांव में खेल मैदान तक नहीं होना, ऐसे काफी सारे सवाल हैं, जिन पर एजेंसियां और सरकार दोनों मौन हैं। इसलिए अगर कोई आंदोलन करता है, तो राष्ट्रीय जाट महासभा उनका साथ देगी। अन्यथा सरकार दोनों भर्तियों को रद्द कर लाखों अभ्यर्थियों के साथ न्याय करे।

डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री प्रेचमंद बैरवा का सालासर जाते वक्त सुजानगढ़ की छापर रोड़ पर भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। भाजपा नेता संतोष मेघवाल, जिसमें पार्षद मनोज पारीक, प्रशासक अध्यक्ष सरपंच गिरधारी लाल कांटीवाल, आईटी सेल संयोजक मुरारी खंडेलवाल, भंवरलाल बिजारणियां, कृष्ण कुमार प्रजापत, सोरभ पारीक, विशाल, मनोज मेघवाल, विक्रम सूरवास, ओमप्रकाश गुलेरिया, अराध्या ने बैरवा का स्वागत किया।

पांच दिवसीय भगवान परशुराम प्राकट्य दिवस का शुभारंभ

पक्षियों के संरक्षण के लिए 216 परिंडों का किया वितरण

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में विप्र फाउंडेशन की ओर से स्थानीय गौड़ विप्र महासभा परिसर में पांच दिवसीय भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य समारोह का शुभारम्भ भगवान परशुराम की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन, पुष्पार्चन व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया ग3या। विप्र फाउंडेशन की ओर से गर्मी को देखते हुए हर साल का भांति इस साल भी पक्षियों के संरक्षण के लिए 216 परिंडे वितरित किए गए। साथ ही सेवा समिति सरदारशहर के अध्यक्ष किशनलाल का सम्मान कर उनकी सेवाओं की सराहना की गई। समाजसेवी व कन्या छात्रावास के लिए भूमि दान करने वाले ओमप्रकाश जोशी ने भगवान परशुराम के जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दू धर्म में महान योद्धा, ऋषि और भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं। परशुराम धर्म, तपस्या, न्याय और शौर्य के प्रतीक हैं। जिनसे आज भी समाज को प्रेरणा लेनी चाहिए। विप्र फाउंडेशन तहसील अध्यक्ष वैद्य महेन्द्र शर्मा ने कहा कि विप्र फाउंडेशन संपूर्ण देश में धर्म, संस्कृति, समाज और राष्ट्र सेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने सभी बंधुओं से आह्वान किया कि संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाकर सामाजिक सशक्तिकरण में सहभागी बनें। युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष सुनील मिश्र ने सामाजिक एकता, सौहार्द, सहयोग और समन्वय को आज के युग का धर्म बताया और युवाओं से इन मूल्यों को जीवन में अपनाने की अपील की। कार्यक्रम संयोजक व तहसील महामंत्री राजकुमार गौड़ ने बताया कि विप्र फाउंडेशन का मूल उद्देश्य उन्नत समाज व।समर्थ राष्ट्र का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि आगामी रविवार प्रातः 7 बजे सूर्य मंदिर परिसर में विशाल सूर्य अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। जिसके पश्चात सूर्य गेस्ट हाउस में एक विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री पवन पारीक व राष्ट्रीय सचिव मुकेश रामपुरा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर भूमि दानकर्ता समाजसेवी ओमप्रकाश जोशी का अभिनंदन किया जाएगा। समारोह में गौड़ विप्र महासभा के उपाध्यक्ष रामनिरंजन महर्षि, प्रदेश महामंत्री युवा प्रकोष्ठ भरत शर्मा, प्रदेश सचिव श्यामलाल जोशी, राजीव भोजक, घनश्याम भोजक, नगर अध्यक्ष नरेन्द्र राजपुरोहित, प्रदेश सचिव कमलकांत शर्मा, श्यामलाल गिल, पंडित राधेश्याम शर्मा, आलोक महर्षि, रेखाराम हरितवाल, अमित शर्मा, मुरलीधर सिवाल, नारायण नाथोलिया, मदनलाल बबेरवाल, शुभकरण पारीक, शुभम शर्मा, सौरभ शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी ने आगामी आयोजनों को भव्य व सफल बनाने का संकल्प लिया। उपरोक्त जानकारी विप्र फाउंडेशन प्रदेश मिडिया प्रभारी पवन चोटिया ने दी।

ढ़ाकावाली हत्याकांण्ड में फैसला, चार आरोपी दोषमुक्त

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। 2012 के बहुचर्चित मनोज जाट हत्याकांड में एडीजे न्यायालय ने फैसला दिया है और चार आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया है। जबकि एक आरोपी मफरूर होने के कारण उस पर भविष्य में ट्रायल चलेगा। क्रीमिनल लॉयर रमेश गुलेरिया ने बताया कि 2 अक्टूबर 2010 को संजय जाट निवासी तोलियासर नामक व्यक्ति के पर्चा बयान के आधार पर सालासर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसमें बताया गया कि मैं, मेरी मासी नारायणी और उसका लड़का मनोज कुमार तीनों गांव से सालासर गए थे। वापस ढ़ाई बजे बस में बैठकर गांव के लिए रवाना हुए। मालासी पेट्रोल पम्प के पास पहुंचे तो बस के सामने बिना नम्बरी सफैद रंग की कैंपर आई और उसने को रूकवाकर मुकेश कणवारी, अनिल उर्फ पाण्डिया निवासी सीकर, सुरेश बढ़ाढ़र, रामदेव जाट निवासी हिरणा और 4-5 अन्य लोग आए और मनोज कुमार को जबरदस्ती कैंपर में डालकर ले गए, तब आरोपियों के पास पिस्तौल थे। परिवादी ने बताया कि बाद में हमने तलाश किया, तो रतनगढ़ रोड़ पर श्मसान भूमि पर मनोज कुमार का शव मिला। इस एफआईआर पर पुलिस ने अनुसंधान किया और मामले में 5 लोगों के खिलाफ चालान पेश किया, जिनमें मुकेश कणवारी, रामचंद्र उर्फ गुटिया निवासी खुड़ी, सुरेश बढ़ाढर, अनिल उर्फ पाण्डिया, सुखदेव उर्फ सुखाराम कणवारी के नाम शामिल हैं। न्यायालय में मामले के विचरण के दौरान जमानत पर चल रहा आरोपी अनिल उर्फ पाण्डिया फरार घोषित किया गया। बाकी चार आरोपियों पर मुकदमा चला। आरोपियों के अधिवक्ता एडवोकेट रमेश गुलेरिया ने बताया कि प्रकरण में अभियोजन की ओर से कुल 41 गवाह करवाए गए और 73 दस्तावेजों को प्रदर्शित करवाया गया। बहस अंतिम सुनने के बाद न्यायालय ने चारों आरोपियों मुकेश, सुखदेव, रामचंद्र, सुरेश को दोषमुक्त करते हुए बरी कर दिया। मामले में आरोपियों की ओर से पैरवी एडवोकेट रमेश गुलेरिया ने की।

जोहड़ में आग लगी, काबू पाया

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। प्रगति नगर से आबसर की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित जोहड़ की तलाई में किसी ने जली हुई बीड़ी डाल दी, जिससे कचरे घास आदि में आग लग गई। कुछ देर बाद आग फैल गई। उधर से गुजर रहे धर्मेन्द्र कीलक ने आग देखी और रणवीर पुनिया, सुरेंद्र पुनिया के साथ मिलकर आग को बुझाने के प्रयास किए और रेत डाली गई। मौके पर फायरब्रिगेड और पुलिस को भी सूचना दी गई। जिसके बाद फायरबिग्रेड पहुंची और आग पर काबू पाया। वहीं सदर थानाधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया भी मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया।

पानी का महत्व समझाने नाट्य मंचन और सीवरेज रख-रखाव को लेकर किया जागरूक

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के तहत जल प्रदाय और सीवरेज योजना को लेकर स्कूली बच्चों और शहरवासियों को नुक्कड़ नाटक के जरिए जागरूक किया। अपना थिएटर संस्थान अजमेर के कलाकारों ने शहर के विभिन्न इलाकों में नाटक प्रस्तुत किए। इन नाटकों में पेयजल और सीवर कनेक्शन लेने के फायदे बताए। लोगों को कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित किया। आरयूआईडीपी के अधिशाषी अभियंता देवेन्द्र सैनी ने बताया कि यह आयोजन सामुदायिक जागरूकता और जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। स्पेशल अवेयरनेस कैंपेन फॉर वॉटर और सीवर कनेक्शन के तहत नुक्कड़ नाटकों के जरिए जल प्रदाय और सीवरेज योजना की जानकारी दी जा रही है। जिसके तहत विभिन्न स्थानों पर आदर्श स्कूल, राजस्थान स्कूल, शेखों का मोहल्ला, वाल्मीकि बस्ती में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया है जिसके तहत स्कूल के बच्चो और शहरवासियों को मीटर युक्त पेयजल कनेक्शन, सीवर कनेक्शन की प्रक्रिया, जल मीटर के लाभ, जल संरक्षण और ठोस कचरा निस्तारण के बारे में बताया गया, उपभोक्ताओं के शौचालय, रसोई और बाथरूम से निकलने वाले गंदे पानी को सीवर प्रणाली से जोड़ा जा रहा है नुक्कड़ नाटक में बताया गया। साथ ही बताया कि शहर में जल प्रदाय और सीवरेज कनेक्शन का कार्य जारी है। और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को बताया कि सीवर के ढक्कन को कोई नहीं खोले इसमें जहरीली गैस बनती है ऐसा करने पर मानव की जान भी जा सकती है और साथ ही जलापूर्ति और सीवर से संबंधित शिकायत और सुझाव के लिए टोल फ्री नंबर 18001802619 बताए गए7 पेयजल वितरण के लिए नई पाइप लाइन बिछाई है। घरों को मीटर युक्त पेयजल कनेक्शन से जोड़ा जा रहा है। मीटर युक्त जल कनेक्शन से पानी का दबाव बना रहेगा। छत पर पानी चढ़ाने के लिए मोटर के उपयोग में कमी आएगी, जिससे बिजली बिल भी घटेगा। कार्यक्रम में आरयूआईडीपी के सामुदायिक विकास अधिकारी अनिल रूहेला ने स्कूली बच्चों और शहरवासियों को जल संरक्षण और स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में अपना थिएटर संस्थान अजमेर के टीम प्रभारी जुम्मा खान, कलाकार सुधीर सैनी, सूर्यप्रकाश प्रजापत, हर्षित और सोशल आउटरीच टीम की सदस्या सुनिता परिहार ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल स्टाफ सहित बच्चो और शहर के लोगों ने आनंदमय नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल संरक्षण का महत्व समझा और सीवरेज के रख-रखाव की जिम्मेदारी ली।

जीवन पथ की सफलता पाने के लिए गीता के सिद्धांत अपनाना जरूरी है: उमा हेमाणी

मण्डावा(निस)। जीवन पथ पर सफलता पाने के लिए लगन से प्रयास करें। गीता के सिद्धांतों को अपनाकर आगे बढ़ा जा सकता है। पाप और पुण्य आपके कर्मों पर निर्भर करता है। यह बात आचार्या उमा हेमाणी ने कस्बे के वार्ड न0 7 में सुभाष हेमाणी की ओर से आयोजित धर्मसभा में कही। उन्होंने कहा कि गलत कार्य करने से मानव की आत्मशक्ति क्षीण हो जाती है। हमें आचरण से ग्लानि हो, पश्चाताप हो यही पाप है। किसी जरूरत की मदद करने वाला आत्मसंतोष ही पुण्य है। वर्तमान में बड़े-बड़े धार्मिक लोगों को बदलते देखा जा सकता है। यदि जीवन में सच्चे अर्थों में भक्ति है तो लक्ष्मी जरूर मिलेगी। नैतिकता से दूर हुए तो माया व्यर्थ है। जीवन में संतोष और शांति नहीं मिलेगी। धर्मसभा में श्रीकृष्ण, हनुमान, श्रीराम, मथुरा, गोकुल के प्रसंगों से उन्होंने धर्मज्ञान दिया। शुरू में उमा हेमाणी ने विशेष पूजा - अर्चना कर धार्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। धर्मसभा में दिव्या हेमाणी, सरोज मोदी, संगीता टेलर, सोनम केजड़ीवाल, सन्जू, मंजू सैनी, सलोचना, राजू बागोरिया, उषा पारीख, गोपाल गुरु, देवेंद्र, शरदा पारीख सहित अनेक महिला श्रद्धालु मौजूद रहीं। अन्त में प्रसाद वितरण किया गया।

पूर्व विधायक महर्षि ने की जनसुनवाई

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि ने शनिवार को भाजपा कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान शहर व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं महर्षि को अवगत करवाया, जिनके समाधान के लिए उन्होंने अधिकारियों से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार जनसरोकार से जुड़े विभिन्न विषयों पर कार्य करने के लिए गंभीर है और पिछले एक वर्ष से राज्य में विकास की राह को पंख लगे हैं। राज्य सरकार अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। इस दौरान सड़कों का निर्माण करवाने, पेयजल आपूर्ति दुरूस्त करवाने, ट्यूबवेल की खराब मोटर बदलवाने, शिक्षा व चिकित्सा सहित कई मुद्दों को लेकर लोगों ने अपनी समस्याएं बताई। इस अवसर पर काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला लाईब्रेरी का किया उदघाटन

200 प्रतिभाओं का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय श्री देवनारायण भगवान मंदिर ट्रस्ट की ओर से हनुमान धोरा स्थित श्री देवनारायण भगवान मंदिर में निर्मित कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला लाईब्रेरी का उद्घाटन देवधाम मालासेरी डूंगरी के पुजारी हेमराज पोसवाल, एसडीएम राजन लोमरोड़, तहसीलदार रामचंद्र गुर्जर, दूधवाखारा थाना प्रभारी हंसराज गुर्जर, ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेन्द्र लीलू ने फीता काट कर किया। इससे पहले देवधाम मालासेरी डूंगरी के पुजारी हेमराज पोसवाल सहित अतिथियों के भगवान श्री देवनारायण मंदिर पंहुचने पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इसके बाद भारत माता चौक में गुर्जर समाज की दो सौ दो प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। भगवान श्री देवनारायण की तस्वीर के समक्ष अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में समाज के युवा कार्यकर्ता मूलचंद गुर्जर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई व पहलगाम के आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। देवधाम मालासेरी डूंगरी के पुजारी हेमराज पोसवाल के सानिध्य में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में एसडीएम राजन लोमरोड़, तहसीलदार रामचंद्र गुर्जर, दूधवाखारा एसएचओ हंसराज गुर्जर, पूर्व पालिका अध्यक्ष लादूराम महासी लाडनूं, भंवरलाल गुर्जर चूरू, पवन गुर्जर चूरू, मंगेजाराम पूर्व सरपंच देवरा, रामूराम चौहान, विजय सिंह सिराधना, सुंडाराम दौराता, रामचंद्र नेतलड़ा, बाबूलाल लीलू, महेन्द्र मोरथल, मंगतूराम गुर्जर बांय मंचासीन रहे। श्री देवनारायण भगवान मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्यों ने अध्यक्ष नरेन्द्र लीलू के नेतृत्व में देवधाम मालासेरी डूंगरी के पुजारी हेमराज पोसवाल का 21 किलो फूलों की माला पहना कर स्वागत किया। कार्यक्रम में देवीलाल भडाना, केशरीचंद सराधना, केशरी चंद लीलू, भागीरथ भाटी, मुकनाराम भडाना, नोरतन छावड़ी, रामनिवास गुर्जर, भंवरलाल पोसवाल, लादूराम, गोविंद कसाना सहित गुर्जर समाज के अनेक लोगों ने अतिथियों का साफा व माला पहना कर स्वागत किया। रामनिवास गुर्जर ने स्वागत भाषण दिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेन्द्र गुर्जर ने अतिथियों सहित उपस्थित लोगों का आभार जताते हुए बताया कि भामाशाहों के सहयोग से पांच लाख रूपए की लागत से लाइब्रेरी को तैयार करवाया गया है, जिसमें समाज के युवा अध्ययन कर सकेंगे। रतनलाल गुर्जर, अजय कुमार गुर्जर, मनसुख गुर्जर, ओमप्रकाश गुर्जर, शंकरलाल गुर्जर, सोहनलाल गुर्जर, जगदीश गुर्जर, दौलतराम गुर्जर, सांवरमल गुर्जर, चौनरूप गुर्जर, मनोहर लाल गुर्जर, नरेशचंद्र गुर्जर, किशोर गुर्जर, प्रमोद गुर्जर, मनोज गुर्जर, सुशील गुर्जर, पुखराज गुर्जर, हेमंत सिराधना, राजकुमार छावड़ी, चौनरूप लीलू, आनन्द बोकण, प्रेमसुख लीलू सहित अनेक कार्यकारिणी सदस्य व कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन मंगलाराम गुर्जर ने किया।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, रविवार
27 अप्रेल, 2025

वर्षों से जो कार्य धाबास में नहीं हुआ, कर्नल राज्यवर्धन सिंह ने कर दिखाया

सड़कों का बेहतरीन निर्माण, जनता ने जताया आभार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कैबिनेट मंत्री व झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर लगातार जनसमस्याओं का त्वरित संज्ञान लेते हुए समाधान कर रहे हैं। जो काम वर्षों से नहीं हुआ, वह विकास कार्य कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ तेज गति से करवा रहे हैं। इसी क्रम में धाबास में भी सड़क निर्माण को लेकर कई वर्षों से मांग चल रही थी, जिसे संबंधित विभागीय अधिकारियों, जनता से बातचीत कर और जनसमस्याओं का निरीक्षण कर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सड़क कार्य शुरू कराया। कर्नल स्वयं विकास कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। जनता की समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए समाधान कर रहे हैं। धाबास में अब बेहतरीन सड़कों का निर्माण हो रहा है। विभिन्न विकास कार्य प्रगतिरत है। इसके अलावा सड़कों के आस पास के गड्ढों को भी भरने का काम शुरू हो चुका है। सड़क बन जाने से जलभराव की समस्या तो दूर होगी, साथ ही यातायात संचालन भी प्रभावी रूप से दुरस्त होगा। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के एक्शन के लिए जनता ने उनका आभार जताया है।

रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही के लाइव कवरेज पर रोक

सरकार ने मीडिया को जारी किए दिशा-निर्देश

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली/झुंझुनूं। राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए भारत सरकार ने सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों का लाइव कवरेज करने से परहेज करने की सख्त सलाह दी है। सूचना व प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी दिशा-निर्देशों में मीडिया से मौजूदा कानूनों और नियमों का कड़ाई से पालन करने का अनुरोध किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि "स्रोत-आधारित जानकारी" के आधार पर किसी भी रक्षा संचालन या सैनिकों की आवाजाही का वास्तविक समय में प्रसारण या रिपोर्टिंग करना प्रतिबंधित है। ऐसी गतिविधियों की समय पूर्व जानकारी सार्वजनिक करना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है, बल्कि इससे ऑपरेशन की सफलता और बलों की सुरक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सरकार ने कारगिल युद्ध, मुंबई हमले (26/11) और कंधार अपहरण जैसी घटनाओं का हवाला देते हुए याद दिलाया कि किस प्रकार अनियंत्रित मीडिया कवरेज ने अतीत में राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाया था। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका है। कानूनी दायित्वों के अलावा, मीडिया का नैतिक कर्तव्य है कि वह रिपोर्टिंग में जिम्मेदारी और संवेदनशीलता बरते। सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने पहले ही सभी टीवी चैनलों को केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 के नियम 6(1)(पी) का पालन करने के लिए कहा है, जिसमें आतंकवाद विरोधी अभियानों के लाइव कवरेज पर रोक लगाने का प्रावधान है। नियम के अनुसार, ऐसे अभियानों की कवरेज को केवल सरकार की ओर से नामित अधिकारी की आधिकारिक ब्रीफिंग तक सीमित रखा जाना चाहिए, जब तक कि ऑपरेशन पूरी तरह समाप्त न हो जाए। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि नियमों के उल्लंघन पर संबंधित चैनलों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

झुंझुनू शहर के कई इलाकों में आज विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस.)। झुंझुनू मुख्यालय के कनिष्ठ अभियंता दलीप झाझड़िया ने जानकारी दी है कि रविवार को 33 केवी मोदी रोड जीएसएस में आवश्यक मेंटेनेंस कार्य के चलते विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। मेंटेनेंस के दौरान मोदी रोड जीएसएस से संचालित सभी फीडरों की सप्लाई बंद रहेगी। इस कारण रोड नं. 1, 2, 3, बीडीके हॉस्पिटल, पंप हाउस, मोदी रोड, मोदियों की जाव, करुंडिया रोड, स्टेशन रोड और किसान कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुबह 6 बजे से 10 बजे तक प्रभावित रहेगी।

तेज अंधड़ ने मचाही तबाही, 70 पोल टूटे, बिजली गुल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। क्षेत्र में शनिवार को सुबह आई तेज आंधी से 70 से अधिक विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिसके कारण सुजानगढ़ शहर के अनेक मौहल्लों सहित अनेक गांवों और ढ़ाणियों में घंटो तक विद्युत सप्लाई बंद रही और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जोधपुर डिस्कॉम के अधिशाषी अभियंता अनिल बरबड़ ने बताया कि तेज आंधी में सुजानगढ़ शहर व ग्रामीण में 15, बीदासर में 10, छापर में तेरह, तेहनदेसर में चौबीस, सालासर में सात विद्युत पोल टूटने व क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिली है, और भी पोल क्षतिग्रस्त होने की संभावना है। बरबड़ ने बताया कि सुबह से ही विभागीय कर्मचारियों की टीमें क्षतिग्रस्त व टूटे पोल के स्थान पर नये पोल लगाने तथा टूटे हुए तारों को ठीक करने में जुटी हुई है। अनेक स्थानों पर विद्युत सप्लाई दुरूस्त कर दी गई है, वहीं कुछ स्थानों पर टीमें काम में जुटी हुई है, जहां पर शीघ्र ही विद्युत सप्लाई शुरू करने की संभावना है।

न्यायाधिपति गर्ग ने किया चूरू न्यायालय के भवन का शिलान्यास

चूरू कोर्ट को मिलेगी आधुनिक भवन की सौगात

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। पुलिस लाइन में आंवटित भूमि पर न्यायालय के नए भवन की आधारशिला शनिवार को समारोह पूर्वक रखी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति व चूरू न्याय क्षेत्र के संरक्षक मनोज गर्ग रहे। वहीं न्यायाधिपति कुलदीप माथुर व जिला व सत्र न्यायाधीश रविन्द्र कुमार कार्यक्रम के विषिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र सैनी ने की। इस अवसर पर अतिथियों ने भूमि पूजन कर भवन की आधारशिला रखी और शिलालेख पट्टिका का अनावरण किया। पं. रवि शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना करवायी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जस्टिस मनोज गर्ग ने कहा कि न्याय व्यवस्था के आधुनिकीकरण में वर्तमान समय को देखते हुए भवन का वास्तु व नक्शा तैयार किया गया है। उन्होंने उपस्थित अधिवक्ताओं व न्यायिक अधिकारियों को नवीन न्यायालय के निर्माण की शुभकामनाएं देते हुए लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण में अधिवक्ताओं से सहयोग का आह्वान किया। समारोह को संबोधित करते हुए जस्टिस कुलदीप माथुर ने कहा कि वर्तमान समय में मामलों का त्वरित निस्तारण करने वाले जज व वकीलों के आगे बढ़ने के अवसर ज्यादा होते हैं। चूरू के अधिवक्ता व न्याय विभाग को लम्बे समय से विशाल भवन की आवश्यकता थी, जो अब पूरी होने जा रही है। इस दौरान चूरू जिले से आये बार अध्यक्ष व अन्य प्रतिनिधियों ने अपनी- अपनी मांगो को लेकर चूरू न्याय क्षेत्र के संरक्षक मनोज गर्ग को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम में जिला संरक्षक बीरबल सिंह लाम्बा, आशाराम सैनी, अनंतराम सोनी, हकीम खान, पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह शेखावत, रोशन सिंह राठौड़, वरुण सैनी, माणक चंद भाटी, जिला अभिभाषक संघ के प्रवक्ता ओमप्रकाश वर्मा, अभिषेक टावरी, ललित गौतम, धनराज सैनी, काशीराम शर्मा सहित वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव शरद व्यास ने शायरी व गजलों के माध्यम से कार्यक्रम में समा बांधा। कार्यक्रम के अन्त में पहलगाम के मृतकों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बार अध्यक्ष नरेन्द्र सैनी ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए लुमास में शानदार आधुनिक सुविधाओं युक्त स्टेडियम

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। फुटबॉल खिलाड़ियों के अच्छी ख़बर है। अब लुमास गांव में फुटबॉल खिलाड़ियों को शानदार आधुनिक सुविधाओं युक्त स्टेडियम की सौगात मिलने जा रही है। मंडावा के निकटवर्ती लुमास में गोगाजी महाराज के पावन पर्व पर हर साल लगभग 40 सालो से नवयुवक मंडल के कार्यकर्ताओं की ओर से फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। गत एक साल से इस खेल मैदान को बड़ा रूप देने के लिए ग्राम के भामाशाओ और युवाओं के सहयोग से खेल मैदान को स्टेडियम का रूप दिया गया है। लुमाश के खेलता बढ़ता स्टेडियम को ओर अच्छा बनाने के लिए व युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका प्रवासी कमलेश कुमार साई खेल मैदान के 2.51 लाख नगद व फुटबॉल मैदान की समस्त सामग्री का खर्चा वहन किया। फुटबाल खेल की बारीकियां सिखाने के लिए लिए कोच भी नियुक्त किया है। अत झुंझुनूं जिले के फुटबॉल खिलाड़ियों से मंगलवार को ग्राम लूमास के खेलता बढ़ता स्टेडियम में अपनी उपस्थिति देने और अपने फुटबाल के हुनर को ओर बेहतर बनाने के लिए अपना नामांकन करवाने का आग्रह किया गया है। इन सभी खिलाड़ियों के ग्राम लुमाश के खेलता बढ़ता स्टेडियम लूमास में युवा फुटबॉल खिलाड़ियो (उम्र 8 से 18 तक) को स्टेडियम में नियुक्त फुटबॉल कोच की ओर से निशुल्क तैयारी कराई जाएगी। लूमास ग्रामवासीयों व नवयुवक मंडल के कार्यकर्ता ने बताया कि इस स्टेडियम को बनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि युवा पीढी नशे और गलत आदत में नहीं पड़कर फुटबाल खेल के माध्यम से अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण करें। इस दौरान पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा लूमास की ओर से खेल के साथ साथ युवाओं को पर्यावरण के बारे में भी बताया जाएगा और पौधारोपण के लिए जागरूक किया जाएगा। जिससे युवा अपना भविष्य और पर्यावरण दोनो सुरक्षित कर सके।इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए नरेंद्र शेखावत फौजी, अजित सिंह शेखावत, दिनेश गोदारा, सत्यपाल गोदारा, दयानंद गोदारा सुनील शेखावत, प्रवीण साईं, अरविंद शेखावत,रवि शेखावत, विकाश गोदारा, राहुल बुगालिया उत्तम सिंह, ललित, संजय गोदारा व ग्रामीण व युवाओं का सहयोग रहेगा।

खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का किया शिलान्यास- लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री ने शनिवार को लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। गोदारा ने मिठड़िया में 55 लाख रुपए की लागत से बनने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य केंद्र बनने से नागरिकों को स्थानीय स्तर पर चिकित्सा सुविधा मिलने लगेगी। गोदारा ने कहा कि भवन निर्माण समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ किया जाए। यहां नॉर्म्स के अनुसार सभी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। उन्होंने अर्जुनसर से मिठड़िया तक 5.30 किलोमीटर तक 72.30 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह सड़क आसपास के दर्जनों गांवों के लिए लाभदायक होगी। इससे यातायात और अधिक सुगम होगा। उन्होंने कहा कि पानी, बिजली और सड़क तंत्र को विकसित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक अधिकारी इसे समझे और इसके अनुसार ही कार्य करें। गोदारा ने कहा कि लूणकरणसर को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। मंत्री गोदारा ने कहा कि लूणकरणसर क्षेत्र उनका परिवार है। यहां के लोगों के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे।

रामसरा में उप स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास, महाजन में स्मार्ट क्लास का लोकार्पण

मंत्री गोदारा ने रामसरा में 55 लाख रुपए की लागत से बनने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, राज्य सरकार इस दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और प्राथमिकताओं के बारे में बताया। मंत्री गोदारा ने महाजन के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्मार्ट कक्षा कक्षों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि लूणकरणसर क्षेत्र के बच्चे भी नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी के साथ आगे बढ़ें, इस दृष्टिकोण से यह स्मार्ट क्लास लाभदायक साबित होगी। मंत्री गोदारा ने कहा कि स्मार्ट क्लास का बेहतर तरीके से संचालन किया जाए। उन्होंने दोनों गांव में आम जानकी समस्याएं सुनी और उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान अनूपगढ़ की पूर्व विधायक शिमला बावरी, प्रधान कानाराम गोदारा, उप प्रधान कैलाश सारस्वत, पंचायत समिति सदस्य राहुल पारीक, सरपंच एसोसिएशन जिला अध्यक्ष राजाराम झोरड़, अमराराम, बडेरण सरपंच मुरारी बेनीवाल, सावन पुरोहित, महाजन नायब तहसीलदार सुन्दरलाल, सहायक अभियंता राजेन्द्र लेघा, भरत कुमार तंवर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विकसित भारत का सपना समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे लोगों को मुख्यधारा में लाकर ही संभवः डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा

पांचू में अंबेडकर सम्मान सभा में बोले उप मुख्यमंत्री

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए हमें समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे लोगों को मुख्यधारा में लाना होगा। तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा। केंद्र और राज्य सरकार इसको लेकर भरसक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति को दिला कर हम उन्हें मुख्यधारा में ला सकते हैं। बैरवा शनिवार को पांचू के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर सम्मान सभा को संबोधित कर रहे थे। बैरवा ने कहा कि बाबा साहेब डॉ अंबेडकर ने अंतिम व्यक्ति के उत्थान को लेकर मरते दम तक संघर्ष किया। लिहाजा देशभर में बाबा साहेब के जन्मदिन 14 अप्रैल से एक पखवाड़े तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया जा रहा है। उप-मुख्यमंत्री बैरवा ने कहा कि वर्तमान केन्द्र सरकार ने बाबा साहेब को भारत रत्न दिलाने से लेकर संसद में मूर्ति लगाने, बाबा साहेब के जन्म, शिक्षा, कर्म, निर्वाण से जुड़े पांच स्थलों पर ''पंच तीर्थ स्थलों'' का निर्माण करवाया गया ताकि युवा पीढ़ी बाबा साहेब के त्याग को जान सके। इससे पूर्व बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि जब पूरे देश में ऊंच नीच का बोलबाला था तब बाबा साहेब ने उसे खत्म करने के लिए भरसक प्रयास किया। वे अंत्योदय के समर्थक थे और पूरे देश को एक रखना चाहते थे। ऐसे महापुरुष की मूर्ति हर घर में हो। श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने डॉ भीमराव अंबेडकर की पृष्ठभूमि की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि वे गरीबों के मसीहा थे और उनके उत्थान को लेकर जीवन भर संघर्ष करते रहे। नोखा के पूर्व विधायक बिहारी लाल ने कहा कि बाबा साहेब को भारत रत्न बहुत पहले मिल जाना था लेकिन नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि धारा 370 में अगर बाबा साहेब टेंपरेरी शब्द नहीं जोड़ते तो हम धारा 370 कभी नहीं हटा पाते। बीकानेर के सांसद अर्जुन राम मेघवाल को कानून मंत्री बनाकर केन्द्र सरकार ने हमें बड़ी सौगात दी। पूर्व विधायक बिहारी लाल ने पांचू में कॉलेज खोलने,उप तहसील को तहसील बनाने, सेंगाल धोरे को पर्यटन स्थल घोषित करने समेत अन्य मांग उप मुख्यमंत्री से की। उप मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में आगामी बजट में इन मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। श्याम पंचारिया ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बाबा साहेब को युग प्रवर्तक बताते हुए उनके बताए तीन मार्गों योग्य बनें, शिक्षित बने और संगठित रहें को अपनाने का सभी से आह्वान किया। कार्यक्रम में रामकिशन राठी, पांचू सरपंच रामचंद्र सिहाग, कैलाश सिहाग, करणाराम कुम्हार, मस्ताना राम पूनिया, पवन राठी, मांगू सिंह, गंगाराम पांडिया, रामदयाल मेघवाल, ओमप्रकाश सुथार, रामकुमार नायक, डूंगरराम मेघवाल समेत बड़ी संख्या स्थानीय और आसपास के गावों के लोग उपस्थित रहे। मंच संचालन नरेन्द्र चौहान ने किया।

बीकानेर के महाराजा गंगासिंह विवि में उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा का किया अभिनन्दन

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। उप मुख्यमंत्री व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का शनिवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, पश्चिमी राजस्थान में उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षा के साथ ऐसे नवाचार किए जाएं, जो युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनाने में मददगार साबित हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने उप मुख्यमंत्री को साफा, शॉल और उस्ता आर्ट की तस्वीर भेंट कर उनका अभिनंदन किया और विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में बताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव अरविंद बिश्नोई, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजाराम चोयल, उप कुल सचिव डॉ गिरिराज हर्ष, डॉ. प्रकाश सारण, निदेशक शोध डॉ अभिषेक वशिष्ठ, डूंगर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. दिग्विजय सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त कुलसचिव डॉ. बिठ्ठल बिस्सा ने किया।

बाजीसर में निकला कैंडल मार्च

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों की ओर से 26 लोगों की हत्या के विरोध में गांव बाजीसर के मुख्य चौक में कैंडल मार्च निकाला गया, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए और मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। सामाजिक कार्यकर्ता अमित मीणा के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला गया। इस दौरान मौजूद बीरबल बुडानियां, रामेश्वर निर्मल, बनवारी निर्मल, सुनिल जांगिड़, सुरेंद्र निर्मल, विक्की निर्मल, विकास नायक, बाबूलाल निर्मल, अभिषेक नायक, रोहित नायक, शक्ति नायक, सुमित नायक, विजय मीणा, संदीप निर्मल, धीरज महला,अमित सैनी अरुण नायक, विक्रम नायक बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग मौजूद रहे। सामाजिक कार्यकर्ता अमित मीणा ने बताया कि केंद्र सरकार से हम एक ही मांग करते हैं कि जल्द से जल्द बदला लिया जाए। ताकि ऐसी घटना दोबारा ना हो।

राजस्थान में बारिश के साथ ओले गिरे, बूंदी में अंधड़ से मोबाइल टावर घर पर गिरा

जयपुर टाइम्स

(निस)। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के असर से शनिवार दोपहर बाद कई शहरों में मौसम बदल गया। चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़ में करीब 50चरू स्पीड से अंधड़ आया। इससे कई जगह टीनशेड उड़ गए, पेड़ गिरे। जालोर में बारिश के साथ ओले गिरे। सवाई माधोपुर में बूंदाबांदी हुई। बूंदी में अंधड़ से मोबाइल टावर गिर गया। वहीं, जयपुर, टोंक, अलवर समेत कई जिलों में बादल छाए। धूलभरी हवा चली। मौसम के इस बदलाव से तापमान में गिरावट हुई। लोगों को तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिली। हनुमानगढ़, चूरू में तेज अंधड़ के कारण मंडियों में बिकने के लिए आए गेहूं, जौ को भी नुकसान पहुंचा। जालोर में शनिवार की शाम करीब 4.30 बजे मौसम में बदलाव हुआ। आहोर में करीब 1 घंटे तक आंधी चली। कई कच्चे घरों के छप्पर उड़ गए। करीब 10 से 15 मिनट तक हल्की बारिश हुई।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं पंकज शर्मा, राम मंदिर के पास, पूरानी सडक चूरू, -331001 से प्रकाशित।